राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष 09 , अंक 50 , पृष्ठ 8
मूल्य : दो रूपये
सिद्धार्थनगर
मंगलवार, 08 फरवरी 2022
सिद्धार्थनगर संस्करण
RNI No:. UPHIN/2012/49458

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश | 8795951917 | @budha_kasandes | budhkasandeshup@gmail.com | www.budhkasandesh.com

लखनऊ सूचीबद्ध कोड- SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी. कोड-133569 | सम्पादकः राजेश शर्मा | उ0प्र0 सरकार एवं भारत सरकार (डी.ए.वी.पी.) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

लोकसभा में प्रधानमंत्री ने बताया मेक इन इंडिया का मतलब, कांग्रेस को घेरते हुए बोले- उन्हें आईना मत दिखाओ, वो आईना भी तोड़ देंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए बहस का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने महान गायिका लता मंगेशकर को श्रद्धांजिल दी। उन्होंने कहा कि देश ने आदरणीय लता दीदी को खो दिया है। इतने लंबे काल तक जिनकी आवाज ने देश को मोहित किया, देश को प्रेरित भी किया, देश को भावनाओं से भर दिया। मैं आज आदरणीय लता जी को आदरपूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना काल के बाद विश्व एक नए वर्ल्ड आर्डर की तरफ, नई व्यवस्थाओं की तरफ बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक ऐसा टर्निंग प्वाइंट है कि हम लोगों को एक भारत के रूप में इस अवसर को गंवाना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि इस परिपेक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव अपने आप में एक प्रेरक अवसर है। उस प्रेरक अवसर और नए संकल्पों को लेकर देश जब आजादी के 100 साल मनाएगा, तब तक हम पूरे सामर्थ्य से,पूरी शक्ति से, पूरे संकल्प से देश को उच्चतम स्तर पर लेकर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि पहले गैस कनेक्शन स्टेटस सिंबल हुआ करता था। अब गरीब से गरीब व्यक्ति तक इसकी पहुंच है और यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने सालों के बाद गरीब के घर में रोशनी होती है, तो उसकी खुशियां देश की खुशियों को ताकत देती हैं। गरीब के घर में गैस का कनेक्शन हो, धुएं वाले चूल्हे से मुक्ति हो तो उसका आनंद कुछ और ही होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगर आप जमीन से जुड़े हुए होते, जनता के बीच में नजर आते तो जरूर आप लोगों को यह चीज दिखाई देती। आप लोगों में से बहुत से लोग ऐसे हैं जिनकी सुई 2014 में अटकी हुई है और उससे आप बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। उसका नतीजा भी आपको भुगतना पड़ा है, देश की जनता आपको पहचान गई है। कुछ लोग पहले पहचान गए, कुछ लोग देर से और कुछ लोग आगे वाले समय में पहचान जाएंगे।

कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री मोदी

उन्होंने कहा कि नागालैंड के लोगों ने आखिरी बार 1998 कांग्रेस के लिए वोट दिया था, करीब 24 साल हो गए। ओडिशा ने 1995 में आपके लिए वोट किया था, सिर्फ 27 साल हो गए आप लोगों को एंट्री नहीं मिली। गोवा में 1994 में कांग्रेस की पूर्व बहुमत की सरकार बनी थी, 28 साल हो गए गोवा ने आपको स्वीकार नहीं किया। पिछली बार 1988 में त्रिपुरा की जनता ने मतदान दिया था। कांग्रेस का हाल है यूपी, बिहार और गुजरात। आखिर में 1985 करीब 37 साल पहले आपको वोट दिया था। पश्चिम बंगाल के लोगों ने 1972 में करीब 50 साल पहले आपको पसंद किया था। तमिलनाडु के लोगों ने 1962 में कांग्रेस को मौका दिया था।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना बनाने का श्रेय कांग्रेस लेती है लेकिन उसका गठन होने के बाद भी वहां की जनता ने आपको स्वीकार नहीं किया। झारखंड का जन्म हुए 20 साल हो गए, पूर्णरूप से बहुमत नहीं मिला, पिछले दरवाजे से जाने की कोशिश करती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सवाल चुनाव और नतीजों का नहीं है। सवाल उन लोगों की नीयत का है। इतने बड़े लोकतंत्र में रहने के बावजूद देश की जनता हमेशा–हमेशा के लिए उन्हें क्यूं नकार रही है ? जहां पर लोगों ने ठीक से राह पकड़ ली है वहां पर दोबारा आपको प्रवेश नहीं करने दिया है। इतना पराजय होने के बाद भी आपका अहंकार नहीं जाता है।

उन्होंने कहा कि वो जब दिन को रात कहें तो तुरंत मान जाऊं, अगर नहीं मानोगे तो वो दिन में नकाब ओढ़ लेंगे। जरूरत हुई तो हकीकत को थोड़ा–बहुत मड़ोड़ लेंगे, वो मगरूर है खुद की समझ पर बेइंतहा, उन्हें आईना मत दिखाओ वो आइने को भी तोड़ देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस कोरोना काल में कांग्रेस ने हद कर दी। पहली लहर के दौरान देश जब लॉकडाउन का पालन कर रहा था, जब विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनिया भर को सलाह देता था, सारे हेल्थ एक्सपर्ट कह रहे थे कि जो जहां है वहीं पर रुके। तब कांग्रेस के लोगों ने मुंबई के रेलवे स्टेशन पर खड़े रहकर मुंबई के श्रमिकों को जाने के लिए उनको टिकट दिया गया, लोगों को जाने के लिए प्रेरित किया गया। न्होंने कहा कि बीते 2 सालों में 100 साल का सबसे बड़ा वैश्विक महामारी का संकट पूरी दुनिया की मानव जाति झेल रही है। जिन्होंने भारत के अतीत के आधार पर ही भारत को समझने का प्रयास किया, उनकों तो आशंका थी कि शायद भारत इतनी बड़ी लड़ाई नही लड़ पाएगा, खुद को बचा नहीं पाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केवल सरकारें ही सभी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकती हैं। 2014 से पहले हमारे देश में सिर्फ 500 स्टार्ट–अप थे, लेकिन पिछले 7 साल में देश में 60 हजार से अधिक स्टार्ट–अप काम कर रहे हैं। ये हमारे युवाओं की ताकत को दर्शाता। कुछ लोगों को देश के नौजवानों को, देश के एंटरप्रेन्योरश को, देश के वेल्थ क्रिएटर्स को डराने और भयभीत करने में आनंद आता है। लेकिन देश का नौजवान उनकी बातें सुन नहीं रहा है, इसीलिए देश आगे बढ़ रहा है।

राम भक्तों को जेल भेजने वाली ममता बनर्जी उन पर गोली चलाने वालों के समर्थन में आईं यूपी: स्मृति ईरानी

संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी पर जोरदार हमले किए। उन्होंने कहा कि राम का नाम लेने वालों को जेल भेजने वाली बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राम भक्तों पर गोली चलाने वालों का समर्थन करने उत्तर प्रदेश आई हैं। यह वही ममता बनर्जी हैं जिन्होंने उत्तर प्रदेश की जनता का अपमान करने में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को जेवर में चुनावी सभा संबोधित करते हुए कहा कि ममता बनर्जी को उत्तर प्रदेश के लोगों के भगवा कपड़े पहनने, टीका लगाने और बनारस का पान खाने तक पर आपत्ति थी। यूपीवासियों को गुंडा बताने वाली ममता बनर्जी जी को यहां आने से पहले माफी मांगनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से सवाल किया कि उनकी ऐसी क्या मजबूरी है जो ममता बनर्जी को बंगाल से बुलाना पड़ा अपने लिए समर्थन मांगने के लिए? उन्होंने कहा कि इससे यह सिद्ध हो गया है कि अखिलेश और सपा आज अकेले खड़े हैं और समर्थन के लिए प्रदेश से बाहर के लोगों को बुलाना पड़ रहा है। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि ममता बनर्जी ने अनेक मौकों पर उत्तर प्रदेश के लोगों की सभ्यता, संस्कृति और खान–पान का अपमान किया और राम का नाम लेने पर लोगों को जेल में डाल दिया था। स्मृति ईरानी ने कहा कि यह भी क्या संयोग है कि राम का नाम लेने वालों को जेल में डालने वाले और राम भक्तों पर गोली चलाने वाले आज साथ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वह राम का अपमान करने वालों को भूले नहीं। उन्होंने कहा कि सपा के एक नेता ने तो यहां तक कहा था कि जरूरत पड़ती तो राम भक्तों पर और गोली चलवाते। यह चुनाव ऐसे लोगों और अदालत के निर्णय के अनुरूप भव्य राम मंदिर बनाने वालों के बीच है।

योगी की टेंशन बढ़ाने के लिए सपा ने भगवा कैंप के ही पुराने योद्धा के परिवार को मैदान में उतारा

संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर सदर सीट से योगी आदित्यनाथ के

चुनाव लड़ने की घोषणा के साथ ही ये सीट पहले से ही सुर्खियों में है। आज समाजवादी पार्टी ने अपने 24 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। सपा ने गोरखपुर सदर से सुभावती शुक्ला को टिकट दिया है। सीएम योगी के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने दिवगंत दिग्गज भाजपा नेता उपेंद्र शुक्ला की पत्नी को मैदान में उतारा है। सपा की नई लिस्ट में पार्टी ने प्रतापगढ़ से सौरभ सिंह, इलाहबाद से अंसार अहमद को अपना उम्मीदवार घोषित किया है वहीं आजमगढ़ की मुबारकपुर सीट से अखिलेश यादव को मैदान में उतारा गया है, अखिलेश यादव सपा के जिलाध्यक्ष रहे हैं और पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं। वहीं महाराजगंज से कौशल सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित किया है पार्टी ने बस्ती की हरैया सीट से त्रियंबक पाठक, देवरिया से प्रदीप यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा के दिग्गज नेता उपेन्द्र शुक्ल भाजपा संगठन के कद्दावर नेताओं में सुमार उपेंद्र दत्त शुक्ला गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल में पार्टी का ब्राह्मण चेहरा थे। लंबे समय तक पार्टी में संगठन का कार्य करने वाले शुक्ला विभिन्न पदों पर भी रहे। कौड़ीराम विधानसभा सीट से भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बनाया था, लेकिन वह चुनाव हार गए थे।

योगी आदित्यनाथ के सीएम बनने के बाद रिक्त हुई गोरखपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने उन्हें उपचुनाव में उतारा था। लेकिव सपा की तरफ से प्रवीण निषाद के हाथों उन्हें शिकस्त मिली थी। बाद में उपेंद्र शुक्ला की ब्रेन हैमरेज से मौत हो गई थी।

गोरखपुर का मुकाबला दिलचस्प

वैसे तो गोरखपुर में योगी की राह काफी आसान मानी जा रही है। लेकिन समाजवादी पार्टी ने इस सीट से ब्राह्मण चेहरे को उतार मुकाबले को दिलचस्प बनाने में जुटी है। एक तरफ जहां आजाद समाज पार्टी के नेता चंद्रशेखर भी योगी को गोरखपुर सदर सीट से चुनौती दे रहे हैं। वहीं बसपा की तरफ से ख्वाजा शमसुद्दीन को उम्मीदवार बनाया गया है।

ऑर्गेनिक रेस्टोरेंट का चेन खोलेंगे तेज प्रताप, होगा देसी स्टाइल वाल लुक, मिलेगा लोटे में पानी–पत्तल में खाना

एजेंसी

नई दिल्ली। लालू यादव के बड़े बेटे और बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव लगातार सुर्खियों में रहते हैं। कभी अपने बयान की वजह से तो कभी अपने काम की वजह से। हालांकि इस बार तेज प्रताप अपने बिजनेस प्लान की वजह से सुर्खियों में हैं। दरअसल, तेज प्रताप यादव अब रेस्टोरेंट्स चेन खोलने की तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि तेज प्रताप के इस रेस्टोरेंट्स चेन का नाम लालू की रसोई होगा जिसकी ऑल इंडिया लेवल पर फ्रेंचाइजी भी बांटे जाएंगे। जानकारी के मुताबिक लालू की रसोई में ऑर्गेनिक खाने का भी इंतजाम होगा। फिलहाल बिहार में इसकी चर्चा जोर–जोर पर है और इसकी शुरुआत पटना से हो सकती है। यह पहला मौका है जब तेज प्रताप यादव बिजनेस में हाथ आजमाने जा रहे हैं। इससे पहले भी तेज प्रताप यादव ने अगरबत्ती लॉन्च की थी जिसका नाम लालू राबड़ी पर रखा था। इसके अलावा तेज प्रताप यादव ने एल–आर मल्टीग्रेन नाम से चावल का भी बिजनेस शुरू किया है। फिलहाल तेजप्रताप अपने नए बिजनेस प्लान को लेकर चर्चा में हैं। तेज प्रताप के रेस्टोरेंट का लुक पूरा का पूरा देसी स्टाइल में रहेगा। खबर तो यह भी है कि तेज प्रताप यादव मुंबई में भी लालू की रसोई को लेने की तैयारी कर रही है। लालू की रसोई के जरिए तेज प्रसाद ग्रामीण माहौल को दिखाने की कोशिश करेंगे। बताया जा रहा है कि तेज प्रताप पर रेस्टोरेंट के भीतर बैलगाड़ी, गाय,

खटिया जैसे सामग्रियों का इस्तेमाल कर सकते हैं ताकि इसका लुक देसी स्टाइल में रखा जा सके। इसके अलावा अपने गांव से दूर रहने वाले लोगों को भी अपने गांव का एहसास होगा। इतना ही नहीं, तेज प्रताप के रेस्टोरेंट में बरामदा और दलान का भी कांसेप्ट रखा गया है जहां चौकी और घटिया लगाई जाएगी। खाना परोसने के लिए पत्तों के पत्तल का उपयोग किया जाएगा जबकि पारंपरिक लोटा और गिलास में पानी दिया जाएगा। तेज प्रताप के रेस्टोरेंट में साउथ और नॉर्थ इंडियन खाने के साथ–साथ नॉनवेज का भी पूरा इंतजाम रहने वाला है।

सबका साथ और सबका विकास के मूल मंत्र पर काम कर रही हरियाणा सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। सबका साथ और सबका विकास के मूल मंत्र पर काम कर रही हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में हरियाणा में पिछले सात साल में ना केवल सामाजिक पेंशन में ढाई गुना बढ़ोतरी की है बल्कि पेंशन भोगियों की संख्या भी 2015 के मुकाबले दोगुनी हो गई है।

वर्ष 2015 में 15,55,440 लाभार्थियों को एक हजार रू प्रतिमाह पेंशन दी जाती थी और जबकि आज लाभार्थियों की संख्या 28,57,529 हो गई है और पेंशन एक हजार से बढकर ढाई हजार रू प्रतिमाह। हरियाणा सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि सरकार द्वारा बुढ़ापा पेंशन समय पर दी जा रही है और पेंशन को खत्म नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा कि जिन्हें अभी पेंशन नहीं मिली है आगामी एक दो दिनों में उनके खातों में पेंशन का पैसा आ जाएगा।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2013–14 में हरियाणा में 1000 रुपए पेंशन मिलती थी जिसे 2014–15 में 1200 रुपए, 2015–16 में 1400 रुपए, 2016–17 में 1600 रुपए, 2017–18 में 1800 रुपए, 2018–19 में 2000 रुपए, 2019–20 में 2250 रुपए और 2020–21 में 2500 रुपए किया गया।

हरियाणा में वर्तमान में बुजुर्गों को 2500 रुपए पेंशन दी जा रही है जो कि अन्य राज्यों की तुलना में काफी ज्यादा है। हरियाणा की अपेक्षा कांग्रेस शासित पंजाब में बुजुर्गों को केवल 1500 रुपए पेंशन मिलती है। दिल्ली में बुजुर्गों को करीब 2000 रुपए बतौर पेंशन मिलते हैं। वहीं राजस्थान में यह पेंशन 750 से 1000 रुपए तक है। ऐसे में अगर तुलना की जाए तो इन राज्यों की अपेक्षा हरियाणा में कहीं अधिक पेंशन दी जा रही है।

प्रदेश सरकार सबका साथ सबका विश्वास की भावना से काम करते हुए।

कर्नाटक में हिजाब पहनने पर विवाद गहराया, मुख्यमंत्री बोम्मई ने की शांति कायम रखने की अपील

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक में 'हिजाब' पहनने पर विवाद सोमवार को गहरा गया और कुछ छात्राओं ने यूनिफार्म को लेकर सरकार के आदेश का उल्लंघन करने की मंशा जाहिर की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शांति कायम रखने की अपील की। राज्य के उडुपी जिले के कुंडापुर के एक कॉलेज के प्रधानाध्यापक ने हिजाब पहनने वाली छात्राओं से बातचीत की और उन्हें सरकार के आदेश के बारे में बताया। इसके बावजूद छात्राएं हिजाब पहनने की अपनी मांग पर अड़ी रहीं और उन्हें उनके लिए आवंटित एक अलग कमरे में जाने को कहा गया।

शिक्षा मंत्री बी सी नागेश ने कहा कि हिजाब पहनने की मांग करने वाली छात्राओं को सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके बाद उन्होंने कॉलेज के बाहर सड़क पर प्रदर्शन कर रही छात्राओं को एक अलग कमरे में बैठने को कहा और उन छात्राओं कक्षा में बैठकर पढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। नागेश ने कहा, "सड़क पर प्रदर्शन करने से बाधा पैदा होती है। इसलिए उन्हें एक अलग कमरे में बैठने को कहा गया लेकिन किसी भी सूरत में उन्हें (हिजाब के साथ) कक्षा में बैठने या उनके लिए अलग से कक्षाएं संचालित करने की अनुमति नहीं दी गई।" उन्होंने कहा कि लड़कियों का सड़क पर बैठना भारतीय संस्कृति नहीं है। नागेश ने कहा, "भारतीय संस्कृति में महिलाओं को एक सम्मानजनक स्थान प्राप्त है। इसलिए उनके लिए एक अलग कमरे की व्यवस्था की गयी है।मासूम बच्चों को यह नहीं पता कि स्कूल कैसे जाएं।"

शिक्षा मंत्री ने कहा कि अलग कमरे में बैठने की व्यवस्था केवल आज के लिए की गई क्योंकि हर व्यक्ति कर्नाटक उच्च न्यायालय में मंगलवार को होने वाली सुनवाई का इंतजार कर रहा है। इस बीच, चिक्कमगलुरु में एक कॉलेज में कुछ छात्र नीले रंग का स्कार्फ पहनकर पहुंचे और उन्होंने भगवा स्कार्फ पहने छात्रों के सामने 'जय भीम' के नारे लगाए। यह छात्र हिजाब पहनने की मांग करने वाली छात्राओं का समर्थन कर रहे थे। चिक्कबल्लापुर, बागलकोट, बेलगावी, हसन और मांड्या में कुछ छात्राओं द्वारा, शनिवार को जारी सरकारी आदेश का उल्लंघन कर हिजाब और इसके विरोधस्वरूप कुछ छात्रों द्वारा भगवा शाल ओढकर कॉलेज आने की खबरें सामने आईं। बेलगावी और मांड्या में लड़कियों ने हिजाब पहनने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस मामले पर उच्च न्यायालय में होने वाली सुनवाई से पहले, बोम्मई ने सभी से शांति कायम रखने की अपील की और कहा कि उनकी सरकार अदालत के आदेश के बाद कदम उठाएगी। नयी दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "मामला उच्च न्यायालय में है और उसका निर्णय वहां होगा। इसलिए मैं सभी से शांति बरकरार रखने की अपील करता हूं और किसी को शांति भंग करने वाला कदम नहीं उठाना चाहिए।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
बस्ती–संतकबीरनगर–अयोध्या–गोंडा–बलरामपुर–श्रावस्ती–बहराइच
मंगलवार, 08 फरवरी 2022
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com

विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के विरूद्ध 65,447 छापों में 7,057 मुकदमे दर्ज

संवाददाता

लखनऊ। संजय आर0 भूसरेड्डी, अपर मुख्य सचिव,

आबकारी ने अवगत कराया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 के दृष्टिगत अवैध मदिरा के निर्माण,बिक्री व तस्करी के विरूद्ध प्रदेश स्तर पर दिनांक 05.01.2022 से 31.03.2022 विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक के माध्यम से आबकारी, पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीमें गठित कर अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के अड्डों के विरूद्ध लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही विभाग ने तस्करी की रोकथाम के लिये चेकपोस्टों व राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों पर निरन्तर चेकिंग कार्य किया है। अपर मुख्य सचिव,आबकारी ने बताया कि अभियान के दौरान दिनांक 06–02–2022 तक प्रदेश में अवैध शराब निर्माण व बिक्री के चिन्हित संदिग्ध अड्डों के साथ–साथ अन्य श्रोतों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर विभाग ने अब तक 65,447 छापे मारे गये। इस कार्यवाही के अन्तर्गत 7,057 मुकदमे दर्ज करते हुए 2,91,241 ली0 अवैध शराब की बरामदगी की गयी व शराब बनाने के लिए तैयार किये गये 7,08,639 कि0ग्रा0 लहन व शराब बनाने में प्रयुक्त अन्य उपकरण को मौके पर नष्ट किया गया। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त 2,679 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के साथ–साथ अन्यसुसंगत धाराओं में मुकदमें पंजीकृत किये गये व अवैध मदिरा के परिवहन में प्रयुक्त होने वाले 81 वाहन जब्त किये गये। इसी क्रम में सेंथिल पांडियन सी.आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश ने अवगत कराया है कि विशेष प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान गत दिवस प्रदेश में 605 मुकदमे दर्ज किये गये, जिसमें अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 49,558 ली. अवैध शराब की बरामदगी की गयी व लगभग 154,275 कि.ग्रा. लहन व कई भट्ठियों को मौके पर नष्ट किया गया। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त 207 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम व आईपीसी की सुसंगत धाराओं में कार्यवाही की गयी व 01 वाहन जब्त किया गया। आबकारी आयुक्त ने यह भी बताया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 के दृष्टिगत चलाये जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान गत दिवस जनपद शामली में आबकारी व पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही में कैराना थानान्तर्गत सिलवर में दबिश देकर 396 बोतल, 452 अद्धा व 5230 पौव्वा अवैध देशी/विदेशी शराब के साथ 200 लीटर रेक्टिफाइड स्प्रिट, 8400 बार कोड व शराब बनाने के अन्य उपकरण बरामद किये गये व एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम व आईपीसी की सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कराया गया। जनपद ललितपुर में कबूतरा डेरा मऊमाफी में दबिश देकर 1500 लीटर शराब बरामद करते हुए 11000 किलोग्राम लहन मौके पर नष्ट किया गया व 03 मुकदमें पंजीकृत किये गये। जनपद झांसी में गैराठा थाना अन्तर्गत कई संदिग्ध अड्डों पर प्रवर्तन कार्यवाही करते हुए 1060 लीटर कच्ची शराब बरामद किया गया व 7400 किलोग्राम लहन नष्ट करते हुए 07 अभियोग दर्ज किये गये। जनपद बस्ती में थाना पसरामपुर अन्तर्गत गौरा पाण्डेय व नरसिंहपुर में छापेमारी करते हुए 765 लीटर कच्ची शराब बरामद कर 2500 किलोग्राम लहन नष्ट किया व 04 अभियोग पंजीकृत किये गये। इसी प्रकार लखीमपुर खीरी में आबकारी व पुलिस की संयुक्त टीम ने थाना मैलानी व पसगंवा अन्तर्गत कई स्थानों पर दबिश कार्यवाही करते हुए 750 ली0 कच्ची शराब बरामद की व 5400 लहन किलोग्राम मौके पर नष्ट करते हुए 14 अभियोग दर्ज किये गये। जनपद हरदोई में आबकारी व पुलिस विभाग ने अवैध शराब के विरूद्ध युद्धस्तर पर छापेमारी की कार्यवाही करते हुए 4200 ली0 कच्ची शराब बरामद करते हुए 75 अभियोग दर्ज किये गये व 91400 किलोग्राम लहन मौके पर नष्ट किया । आबकारी आयुक्त ने बताया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के दृष्टिगत अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के अड्डों को समूल नष्ट करने के लिये लगातार प्रवर्तन कार्यवाही के साथ–साथ अन्य प्रदेशों से लगे बार्डरों पर शराब की तस्करी की रोकथाम के लिये चेकपोस्ट स्थापित करते हुए वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसके अतिरिक्त लाइसेंसी देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर व माडल शाप की दुकानों के साथ–साथ थोक अनुज्ञापनों को चेक किया जा रहा है।

झूठ और आरोपों की राजनीति कर रही है भाजपा :अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कि भाजपा झूठ और आरोपों की राजनीति कर रही है। बीजेपी का हर नेता झूठ बोलता है। जितना बड़ा नेता, उतना बड़ा झूठ बोलता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने पांच साल की सरकार में कोई विकास का कार्य नहीं किया। नौजवानों के लिए नौकरी रोजगार का इंतजाम नहीं हुआ। महंगाई बढ़ती गयी।

सहारानपुर में सपा और रालोद प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में उन्होंने कहा कि भाजपा से लोकतंत्र और संविधान को खतरा है। मैं सभी समाजवादियों के साथ अंबेडकरवादियों से भी अपील करता हूं कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए सपा का साथ दें। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने संविधान में जो हक और सम्मान दिया है। भाजपा उसे छीन रही है। अखिलेश ने कहा कि लोग परिवर्तन चाहते हैं। किसान नौजवान व्यापारी और महिलाएं इस बार भाजपा का सफ ाया करेंगी। हर वर्ग बदलाव के लिए समाजवादी पार्टी की ओर देख रहा है।

अखिलेश ने विधानसभा चुनाव में बिजली और रोजगार और किसानों के लिए किए गए वादों की याद दिलाते हुए कहा कि सपा भाजपा सिर्फ और सिर्फ झूठ फैला रही है। अपनी सरकार का कोई भी काम नहीं बता पा रही है। देश में सबसे ज्यादा महिलाएं उत्तर प्रदेश में असुरक्षित हैं। यह एनसीआरबी का डाटा है। भाजपा सरकार में महिला अत्याचार और अन्याय बहुत ज्यादा हुए है। कई जगह महिलाओं और बेटियों को जलाने की घटनाएं हुई। सबसे ज्यादा कस्टोडियल डेथ उत्तर प्रदेश में हुई। मानवाधिकार आयोग ने यूपी सरकार को सबसे ज्यादा नोटिस भेजी है। किसान आंदोलन में किसानों पर बहुत बड़ी संख्या में फ र्जी मुकदमे लगाए गए। गृह राज्य मंत्री के बेटे ने लखीमपुर खीरी में किसानों को कुचल दिया। किसान आंदोलन के दौरान 700 किसान शहीद हुए, लेकिन उनके परिवारों को न्याय नहीं मिला। भाजपा सरकार तीन काले कृषि कानून उद्योगपतियों की मदद के लिए लाई थी। सपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरों को गुंडा कहने से पहले खुद को आईने में देख लें। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पर बड़ी संख्या में गंभीर मुकदमे हैं। सबसे ज्यादा अपराधी भाजपा में हैं। भाजपा ने गंभीर अपराधों के आरोपियों को बड़ी संख्या में टिकट दिए हैं।

AAP के राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर की शिकायत

संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को नामांकन भरे जाने से रोका गया। उनकी जबरन बेमतलब की गलतियां और कमियां निकाली गईं। यूपी के पहले और दूसरे चरण में ।।च के 06 प्रत्याशियों को चुनाव नहीं लड़ने दिया गया। उनके नामांकन रद कर दिये गये। वर्तमान प्रशासन के इस भेदभावपूर्ण रवैये से नाराज आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने चुनाव आयोग को पत्र भेजकर शिकायत की है। संजय सिंह का आरोप है कि प्रशासन वर्तमान सरकार के प्रति वफादारी दिखा रहा है जिसके चलते उनके प्रत्याशियों को नामंकन भरने में समस्या आ रही है। उन्होंने चुनाव आयोग से आप के प्रत्याशियों को नामंकन भरने से रोकने वाले प्रशासन के अधिकारियों पर कार्रवाई की भी मांग की।

संजय सिंह का आरोप है कि उनके अलीगढ़ के इगलास से प्रत्याशी हरिओम उर्फ विशाल, बदायूं से रितेश कुमार गुप्ता, बदायू की बसौली विधानसभा से शिवराज कुमार, इटावा के भरथना से सत्यनारायण दोहरे, हमीरपुर से राजेश कुमार बाजपेई, मुजफ्फरनगर के मीरपुर से जोगिन्दर सिंह का नामांकन प्रशासन ने जबरन कैंसिल कर दिया है। आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इसपर नाराजगी जताई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि वर्तमान की भाजपा सरकार का प्रशासन उनके प्रत्याशियों को जबरन चुनाव लड़ने से रोकने का प्रयास कर रहा है। नामांकन भरने के दौरान बेमतलब की गलतियां और कमियां निकाली जा रही हैं जिससे आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी चुनावी मैदान में नहीं उतर सकें। आम आदमी पार्टी की जनता में बढ़ती पैठ और प्रत्याशियों की लोकप्रियता से भाजपा व अन्य पार्टी डरी हुई है उनको लग रहा है आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मजबूती से जीत हासिल करेंगे। इसलिए आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने से रोका जा रहा है।

संजय सिंह का आरोप है कि गोरखपुर विधानसभा 322 ग्रामीण में भाजपा के दबाब में आम आदमी पार्टी समेत अन्य प्रत्याशियों को नामांकन के लिए भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग से गड़बड़ी करने वाले अधिकारियां पर कार्रवाई करने की चुनाव आयोग से मांग करी।

आम आदमी पार्टी का यह भी आरोप है कि यूपी में पहले और दूसरे चरण में होने वाले चुनाव में प्रचार के दौरान भारतीय जनता पार्टी को पूरी छूट दी जा रही है। उनको नुक्कड़ सभा, जनसभा, बैठके करने से रोका नहीं जा रही है। जबकि आम आदमी पाटी के प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में बाधा डालने की कोशिश की जा रही है। कल ही गाजियाबाद की एक विधानसभा में सचिन शर्मा के चुनाव प्रचार के कार्यक्रमों को प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। इस प्रकार आप प्रत्याशियों के प्रचार को रोके जाने की शिकायत भी चुनाव आयोग से पत्र के माध्यम से की गई है। आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने अपने पत्र के माध्यम से यह भी शिकायत दर्ज कराई कि प्रदेश की जन औषधि केन्द्रों और पेट्रोल पम्पों पर प्रशासन ने भाजपा के स्टार प्रचार पीएम नरेन्द्र मोदी की फोटो नहीं हटाई है। चुनाव आयोग से मांग की गई है कि पीएम नरेन्द्र मोदी की जन औषधि केन्द्रों पर लगी फोटो हटाई जाएं।

यूपी की जनता से एक अपील जाति-धर्म से ऊपर उठकर मुद्दों पर वोट दें : संजय सिंह

संवाददाता

लखनऊ। आप आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को विपक्षी भारतीय जनता पार्टी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टीउत्तर प्रदेश में भी चुनाव लड़ रहे हैं पाकिस्तान के नाम से। अगर भाजपाइयों को पाकिस्तान से इतना डर लगता है तो घर में बैठे ताला बंद करके। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तानियों को पाकिस्तान से डर नहीं लगता। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा का धंधा डराओ और राज करो है। उत्तर प्रदेश में हिन्दू को मुसलमान से डराते हैं, मुसलमान को हिन्दू से डराते हैं। हरियाणा में चले जाते हैं तो जाट, गैर–जाट शुरू कर देते हैं। महाराष्ट्र में चले जाते हैं तो मराठा, गैर–मराठा शुरू कर देते हैं। पंजाब में चले जाते हैं तो हिन्दू और सिख शुरू कर देते हैं। गोवा में चले जाते हैं तो हिन्दू और इसाई शुरू कर देते हैं। तो भारतीय जनता पार्टी का नाम दरसल भारतीय झगड़ा पार्टी है। जिसके पास झगड़ा लड़ाने के अलावा कोई दूसरा काम नहीं है। ।।च के राज्य सभा सांसद ने इस बार के चुनाव में जनता से एक ही अपील है 75 वर्षों से जो दाग उनपर लगा है। उसको हटाने का काम करें। जाति और धर्म से ऊपर उठकर चुनाव में वोट दें। उन्होंने कहा कि बगल में ही दिल्ली है जहां जाति धर्म पर वोट नहीं पड़ा। वहां केजरीवाली ने अच्छी शिक्षा अच्छा स्वास्थ्य दिया, अच्छा पानी दी, दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाई, मुनाफे का बजट दिया। उत्तर प्रदेश में भी क्या आप अच्छी शिक्षा, अच्छे स्वास्थ्य, फ्री बिजली के लिए वोट नहीं दे सकते हैं।

पत्रकारों की ओर से पूछे गये एक सवाल पर भाजपा पर तंज कसते हुए संजय सिंह ने कहा कि बाबा आदित्यनाथ को सुना मैने पिछले दिनों उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का चुनाव 80 और 20 पर होगा। मैने आज देश की संसद में भी सवाल खड़ा किया और आप सबके सामने भी खड़ा कर रहा हूं। मैं पूछना चाहता हूं कि कोरोना की महामारी में जो हजारों लाशें नदी के घाट पर मिलीं वो 80 में आते हैं या 20 में आते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि एक साल तक किसान जो सड़कों पर बैठा रहा वो 80 में आते हैं या 20 में आते हैं। प्रयागराज में जो बार–बार नौजवानों को पीटा गया वो, सुहागिन महिलाएं शिक्षा मित्र की अपना सिर मुंडवाकर प्रदर्शन् करती हैं वो 80 में आती हैं या 20 में आती हैं। वो खुशी दुबे जो ड़ेढ साल से जेल में सड़ रही है, वो प्रभात मिश्र जिसका फर्जी इनकाउंटर हो गया, वो हाथरस की बेटी जो रात में दो बजे जला दी गई, वो संजीत यादव जिसका अपहरण करके हत्या कर दी और उसकी बहन से ही 30 लाख रुपये फिरौती दिलाई ये सब 80 में आते हें 20 में आते हैं। इसका मतलब ये 80 और 20 नकली बात है असली बात यह है कि 80 और 20 नहीं बच्चों के फीस पर चुनाव होना चाहिये।

पत्रकारों की ओर से चुनावी बयानबाजी पर पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए संजय सिंह ने कहा कि मैं अवध का रहने वाला हूं जो सत्ता का भूत सवार है वो झाड़ू की ताकत से उतारने का काम उत्तर प्रदेश की नता करेगी और गर्मी आ गई है या ठंडा कर देंगे ये बयान किसी मुख्यमंत्री का नहीं है। उन्होंने कहा ये कोई चौराहे के गुंडे का चुनाव नहीं हो रहा है ये उत्तर प्रदेश की विधानसभा का चुनाव हो रहा है इस प्रकार की भाषा बोलना शोभा नहीं देता है।

संजय सिंह ने कहा कि अभी मैं सुन रहा था अपने गृह मंत्री को वो मुगली घुट्टी 555 पीए हुए हैं, डेढ़ साल में बच्चा पीना छोड़ देता है मुगली घुट्टी वो मुगली घुट्टी पीऐ हैं। कहा रहे हैं जाटों से हमारा छह सौ पचास साल पुराना रिश्ता है अस्सी में पार्टी बनी 650 साल पुराना रिश्ता हो गया। 650 साल पहले बीजेपी का क्या नाम था और कह रहे हैं कि वो भी मुगलों से लड़े थे हम भी मुगलों से लड़ रहे हैं। एक हफ्ता हो गया मैं खोज रहा हूं कि पूरे हिन्दुस्तान में कोई मुगल मिल जाए जिससे मैं भी लडूं चलकर। एक मुगल नहीं मिला ऐसी बातें मूर्खतापूर्ण करते हैं न इतिहास का पता है न भुगोल पता है। संजय सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कर्मों की सजा यूपी की जनता ने 2017 में उनको दे दी, अब जो मौजूदा शासन है भाजपा का उसको भी लोगों ने देख लिख अब इनको हराने और जमानत जब्त कराने की बारी है। जनसभा में पीएम मोदी के नहीं पहुंचने के एक सवाल पर पत्रकारों को जवाब देते हुए संजय सिंह ने कहा कि मोदी की बेचारे की दुर्दशा चल रही है। जहां–जहां जाते हैं मौसम ही खराब हो जाता है। अब पता करना पड़ेगा कि मौसम खराब था या वहां पर संख्या खराब थी।

संजय सिंह ने कहा कि हम बच्चों की फीस पर चुनाव लड़ रहे हैं, आम आदमी पार्टी कह रही है हम 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे, पुराने बिजली का बकाया माफ करेंगे, नौजवान बेरोजगारों को पांच हजार रुपये भत्ता प्रतिमाह देंगे, माताओ–बहनों को एक हजार रुपये प्रतिमाह देंगे, 10 लाख सरकारी नौकरियां हर साल देंगे, माताओं बहनों के लिए बस की यात्रा फ्री करेंगे। इन मुद्दों पर हम उत्तर प्रदेश का चुनाव लड़ रहे हैं। बाकी पार्टियां मुद्रा पर चुनाव लड़ रही है और आम आदमी पार्टी मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि उत्तर प्रदेश की जनता जो उसके ऊपर एक दाग लगा हुआ है वो मिटाने के लिए हाथ में झाड़ू लेकर आम आदम पार्टी का जिताने का काम करेगी।

लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी पर कुठाराघात कर रही भाजपा- पीएल पुनिया

संवाददाता

लखनऊ। आगरा की फतेहाबाद विधानसभा में जबरदस्ती बैलेट वोटिंग होने पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के इलेक्शन कैंपेन कमेटी के चेयरमैन पीएल पुनिया ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार चुनाव आयोग की धज्जियाँ उड़ा रही है। लोगों से जबरदस्ती बैलेट वोटिंग कराई जा रही है। भाजपा सरकार लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी पर कुठाराघात कर रही है। पुनिया ने कहा कि भारत में यदि एक भी भारतीय का मत उसकी मर्जी के बिना किसी अन्य ने डाला है, तो यह देश की चुनाव व्यवस्था, लोकतंत्र पर दाग है, और देश की जनता के साथ भद्दा मजाक है। आगरा की फतेहदाबाद विधानसभा में जगराजपुर में दिव्यांग सुरेंद्र सिंह से पोलिंग टीम ने भाजपा के पक्ष में जबरदस्ती वोट डलवाया है। इसका वीडियो भी वायरल है, एसडीएम कह रहे हैं कि एक वोट से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। यह व्यक्ति की आजादी पर हमला नहीं बल्कि उसकी स्वतंत्रता की हत्या है। इस घटना को हमारे देश के राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल, भारत के मुख्य न्यायाधीश, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को संज्ञान में लेना चाहिए। क्योंकि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र पर खतरा हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश में शासन–प्रशासन बीजेपी प्रत्याशियों को चुनाव जिताने के लिए सारे नियमों को तोड़ रहा है। और चुनाव आयोग मौन साधे हुए है।

लखनऊ उत्तर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के केंद्रीय चुनाव कार्यालय का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

लखनऊ। चुनावी अभियान को तेज धार देते हुए लखनऊ उत्तर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी व महानगर अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव अज्जू ने सीतापुर रोड स्थित देवकी हॉस्पिटल के सामने केंद्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन राष्ट्रीय महासचिव/प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी के प्रतिनिधि के रूप में आये अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सचिव सत्य नारायण पटेल ने किया । कहा कि विधानसभा के अंदर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि कोरोनाकाल में ऑक्सिजन की कमी से किसी की मौत नही हैं।

आदर्श आचार संहिता के अनुपालन में सार्वजनिक व निजी स्थानों से

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश भर में लागू आदर्श आचार संहिता को सुनिश्चित कराने के लिये सार्वजनिक व निजी स्थानों से अब तक कुल 87,45,097 प्रचार सामग्री हटायी गयी है, जिसमें से सार्वजनिक स्थानों से 65,60,127 व निजी स्थानों से 21,84,970 प्रचार सामग्री हटायी गयी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक सार्वजनिक स्थानों से वाल राइटिंग के 4,53,647 पोस्टर के 28,84,786 बैनर के 21,31,008 व 10,90,686 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी है। इसी प्रकार निजी स्थलों से वाल राइटिंग के 1,98,434 पोस्टर के 9,70,599 बैनर के 6,25,425 व 3,90,512 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, समावेशी व कोविड सुरक्षित मतदान कराने के लिए प्रदेश में आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए निर्देशित किया गया है। इस परिप्रेक्ष्य में पुलिस, आयकर, आबकारी, नारकोटिक्स व अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा अब तक 8,43,838 लाइसेन्सी शस्त्र जमा गये, जिसमें से आज 4535 लाइसेन्सी शस्त्र जमा कराये गये। अब तक 603 लाइसेन्स जब्त किए गए व 1632 लाइसेन्स निरस्त किये गये। इसी प्रकार सी0आर0पी0सी0 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुये 31,26,694 लोगों को पाबन्द किया गया हैं। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में अब तक विभिन्न धाराओं में 928 एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी है, जिसमें से विगत दो दिनों में विभिन्न धाराओं में 139 एफआईआर दर्ज की गयी। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा अब तक 8438 शस्त्र, 8833 कारतूस, 214 विस्फोटक व 267 बम बरामद किये । पुलिस विभाग द्वारा रेड डालकर अवैध शस्त्र बनाने वाली 156 फैक्ट्रियों को सीज किया । मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुलिस विभाग व आयकर विभाग की कार्रवाई में अब तक 59.93 करोड़ रूपये से अधिक का कैश बरामद किया गया है, जिसमें से 4.92 करोड़ रुपये से अधिक का कैश आज बरामद किया गया है। इसके अतिरिक्त आबकारी व पुलिस विभाग द्वारा अब तक 34.66 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की 12,34,442 लीटर मदिरा जब्त की हैं। इसी प्रकार नारकोटिक्स व पुलिस विभाग द्वारा अब तक 32.15 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य का 10410 कि0ग्रा0 ड्रग्स जब्त किया है, ।

डीएम से मिला व्यापारियों का दल, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

लखनऊ। सोमवार को लखनऊ व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश से भेंट कर एक ज्ञापन सौंपा। संगठन के वरिष्ठ महामंत्री अमरनाथ मिश्र ने डीएम को बताया चुनाव आयोग के दिशा निर्देशानुसार 50 हजार रुपये लाने ले जाने की सीमा जो लागू है, वह व्यापारियों के लिए अव्यवाहारिक है। क्योंकि इस वक्त सहालग का सीजन चल रहा है। लखनऊ एक बहुत बड़ा किराना, गल्ला, रेडीमेड, मेटल, कपड़ा, चिकन और कॉस्मेटिक्स आदि ट्रेड का होलसेल बाजार है। यहां पर कई जिलों से व्यापारी माल खरीदने के लिए आते हैं। गांव देहात कस्बों का व्यापारी कई महीनों तक छोटी छोटी रकम जोडकर एक साथ लाखों रुपये लेकर बाजार आता है तो पुलिस ने चेकिंग के नाम पर उगाही की है। तमाम कारोबारी व्यापारी लखनऊ के अलग–अलग क्षेत्रों से आकर थोक मंडी में अपना कारोबार करते हैं। दिनभर की बिक्री करने के बाद उस रकम को घर ले जाते समय पुलिस चेकिंग के नाम पर तमाशा बनाती है और उसकी फोटोग्राफी कराती है, जो कि सम्मानित व्यापारी के साथ दुर्व्यवहार जैसा लगता है। पुलिस की चेकिंग में लखनऊ शहर में ऐसी तमाम घटनाएं हुई हैं, जहां पर उच्चाधिकारियों हस्तक्षेप के बाद व्यापारी को छोड़ा गया है।

सपा व कांग्रेस समेत विभिन्न सामाजिक संगठनो के प्रमुखों व्यक्तियों ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय में सोमवार को समाजवादी पार्टी व कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के साथ ही विभिन्न सामाजिक संगठनो के प्रमुखों व्यक्तियों ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। केशव प्रसाद मौर्य व डा. लक्ष्मीकान्त वाजपेई ने सभी नवागन्तुकों को पटका पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। इस दौरान प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित व सह प्रभारी हिमांशु दुबे उपस्थित रहें। इसके साथ ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालो में रिटायर्ड जज जय मंगल शर्मा, नियुक्ति व कार्मिक विभाग के सेवानिवृत्त विशेष सचिव अरूण कुमार दुबे, गोण्डा के जिला पंचायत सदस्य रहे शान्त भूषण मणि त्रिपाठी(मनोज तिवारी), एन.ए.सी.वाई के अध्यक्ष चांद मोहम्मद चन्दू(प्रयागराज), प्रयाण ग्रुप आफ कम्पनीज के चेयरमैन अवनीश अग्रवाल टांडे (बिजनौर), सेवानिवृत्त मुख्यअभियन्ता सिंचाई विभाग अमर कुमार, औरेया से कांग्रेस कमेटी के व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष उत्तम चन्द्र गुप्ता, औरेया से बेला मल्हौसी के पूर्व सांसद, पूर्व विधायक रघुराज शाक्य व समाजवादी पार्टी के प्रयागराज जिले के बारा विधानसभा से 4 बार विधायक रहें राम सेवक पटेल ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। केशव प्रसाद मौर्य व डा. लक्ष्मीकान्त वाजपेई ने सभी नवागन्तुकों को पटका पहनाकर भाजपा परिवार में शामिल किया। इस दौरान प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित व सह प्रभारी हिमांशु दुबे उपस्थित रहें। इसके साथ ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालो में रिटायर्ड व्यापार मण्डल अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी के नेता, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य मुख्यालय पर सभी नवागन्तुकों का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा 2022 में 2017 के नतीजे दोहराएगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हार के आभास से डरकर 400 सीटों का दावा करने वाले अखिलेश यादव के मुंह से अब कोई दावा नहीं निकलता हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अखिलेश यादव ने प्रदेश के युवाओं के लिए जो अभद्र भाषा का उपयोग किया है, उसकी मे कड़े शब्दों मे निन्दा करता हूं। अखिलेश यादव को अभद्र भाषा के लिए प्रदेश के नौजवानों से माफी मांगना चाहिए, उत्तर प्रदेश का स्वाभिमानी युवा उनकी अभद्रता बर्दाश्त नहीं करेगा। मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विकास, सुशासन के मुद्दे व प्रदेश की 24 करोड़ जनता की सुरक्षा की गारंटी के मुद्दे के साथ सबका साथ–सबका विकास और सबका विश्वास व सबका प्रयास के मुद्दे पर विधानसभा चुनाव में जनता के दरबार में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की केन्द्र सरकार के लोक कल्याणकारी कार्य कांग्रेस के 60 साल के शासन पर भारी है। वही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रदेश भाजपा सरकार के जनकल्याणकारी कार्य 14 वर्षों के सपा–बसपा सरकार के शासन पर भारी हैं। उन्होंने भाजपा में शामिल हुए लोगों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सभी के आने से भाजपा मजबूत होगी।

एक नजर

मुख्य विकास अधिकारी ने किया मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्य विकास अधिकारी ने विधानसभा सामान्य निर्वाचन, 2022 लगे मतदान कार्मिकों के प्रथम प्रशिक्षण स्थल सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल करौंदा मसीना का भ्रमण किया गया। दिनांक 8 से 10 फरवरी तक पीठासीन अधिकारी एवम प्रथम मतदान अधिकारी को दो पालियों में प्रोजेक्टर के माध्यम से विडियो, पीपीटी से निर्वाचन प्रक्रिया एवम ईवीएम वीवी पैट मशीन का संचालन कराकर भली–भांति प्रशिक्षित किया जाएगा। मतदान कार्मिकों के लिए पेयजल, स्वच्छ शौचालय, कोविड हेल्प डेस्क आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय पर परियोजना निदेशक, डीआरडीए, उपायुक्त श्रम रोजगार, उपायुक्त स्वतरू रोजगार, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहें।

भाजपा नेताओ ने दिया भारत रत्न लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भाजपा जिला कार्यालय पर भारत रत्न लोक गायिका लता मंगेशकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भाव पूर्ण श्रद्धांजलि दिया गया। इस दौरान डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद माधव ,विनीत कमलापुरी ,अजय शर्मा ,राहुल गुप्ता ,राजेश मिश्रा ,दीपक त्रिपाठी सौरभ शर्मा, ,विपिन सिंह, अजय उपाध्याय ,तेजू विश्वकर्मा ,दीपक मौर्य ,अजय शर्मा, अविनाश शुक्ला ,विकास पांडेय, जमील अहमद गादर ,विकास मिश्रा ,ओमप्रकाश गुप्ता ,रामनिवास यादव ,फतेबहादुर सिंह ,जगदीश जयसवाल ,श्यामसुंदर मित्तल ,घनश्याम चौधरी ,संतराम राजभर ,जिला मीडिया प्रभारी आशीष शुक्ल आदि लोग मौजूद रहे।

महादेवा बुजुर्ग में कंबल वितरण का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नौगढ़ ब्लाक अंतर्गत आने वाली महादेवा बुजुर्ग में कंबल वितरण का आयोजन किया गया। सर्दी के मौसम में गरीब व असहाय वह बुजुर्गों को कंबल वितरण कर इस सर्दी के मौसम में ठंडक से बचाया जाए।प्रधान वसीम अहमद खान ने गांव के प्रति जागरूक वा निष्ठा से गरीबों के बीच हमेशा बने रहते हैं ताकि सरकार से आने वाला हर लाभ हर योजना गरीबों तक पहुंचे सरकार की तरफ से आने वाली है हर योजना कोई वंचित न रह सके प्रधान ने यह भी कहा हम अपने कार्यकाल मैं सभी प्रकार की योजना गरीब जनता के बीच पहुंचेगा। इस कंबल वितरण में प्रधान व हल्का लेखपाल राजेश कुमार गुप्ता द्वारा वितरण किया गया।

आठवीं से कक्षाएं शुरू करने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। इकरा पब्लिक स्कूल के व्यवस्थापक सद्दाम खान ने बताया कि सिर्फ नौ से बारह तक स्कूल खोलने का आदेश जारी कर प्राथमिक व जूनियर स्तर तक के स्कूल प्रबंधकों के साथ घोर अन्याय है। विद्यालय बंद हुए लगभग एक माह का समय बीत चुका है। बाजार , रेस्टोरेंट , आदि खुले हुए हैं। लेकिन प्राइवेट शिक्षकों व विद्यालयों के हित में कोई विधायक सांसद अधिकारी कुछ सोचने व बोलने को तैयार नहीं कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों बंद होने से पठन पाठन करने वाले देश के होनहार छात्र छात्राओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है।अधिकांश अभिभावक बच्चों की पढ़ाई को लेकर बहुत चिंतित हैं। जल्द ही इस संबंध में अगर कोई निर्णय नहीं लिया गया। तो हम सभी प्राइवेट विद्यालय के प्रबंधकगण, प्रधानाचार्य व अध्यापकगण मिलकर होने वाले 2022 के विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

पत्रकारों की संरक्षा व सुरक्षा के लिए कटिबद्ध हैं मीडिया संगठन- मिथिलेश द्विवेदी

मीडिया फोरम ऑफ इंडिया न्यास की बैठक में पत्रकारों की दशा दिशा पर हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पत्रकारों के हितों की रक्षा एवं उनकी सुरक्षा को लेकर रविवार को नगर स्थित होटल डिजायर में मीडिया फोरम आफ इंडिया (न्यास) के बैनर तले आयोजित बैठक में पत्रकारों ने विस्तार से विचार विनिमय किया। इस दौरान आयोजित बैठक की अध्यक्षता फोरम के निवर्तमान जिला अध्यक्ष राजेश गोस्वामी ने की और संचालन पत्रकार भोला नाथ मिश्रा ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि मीडिया फोरम आफ इंडिया (न्यास) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी जहां मौजूद रहे वही विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यास के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रमणि शुक्ला उपस्थित रहे। बैठक में पत्रकारों की दशा दिशा पर और उनकी देश काल और समाज हित में उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि श्री द्विवेदी ने कहा कि आज देश का चौथा स्तंभ कहा जाने वाला कलमकार विभिन्न समस्याओं से जूझते हुए भी अपने दायित्व का निर्वहन तो कर रहा है किंतु उसे शासन–प्रशासन के प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है। ऐसी परिस्थिति में पत्रकारों की संरक्षा और सुरक्षा के लिए मीडिया संगठन ही सहायक सिद्ध होते हैं। श्री द्विवेदी ने पत्रकारों से संगठन को मजबूत करने की अपील के साथ ही निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता करने की युवा पत्रकारों से अपेक्षा की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रमणि शुक्ला ने पत्रकारों के कर्तव्य और दायित्व तथा पत्र–पत्रिकाओं के भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं वरिष्ठ पत्रकार राकेश शरण मिश्र, विवेक कुमार पांडेय और मोहम्मद सलीम हुसैन खां ने पत्रकारों की एकता पर बल देते हुए कहा कि किसी भी संगठन से जुड़ कर उसकी मजबूती पत्रकारों की एकता से ही संभव होती है। अध्यक्षता कर रहे राजेश गोस्वामी ने कहा कि अपने समय में पत्रकारों के उत्पीड़न की घटनाओं पर हम सदैव मुखर रहे हैं और पत्रकारों के साथ अपने आप को खड़ा रख पाने में सफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगे भी हम संगठन के लिए समर्पण की भावना से लगे रहेंगे। अंत में स्वर कोकिला लता मंगेशकर के अवसान पर 2 मिनट में मौन खड़े होकर गत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई और संगठन की ओर से उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर दीपक कुमार केसरवानी, समर सैम, रामजी गुप्ता, ज्ञानदास कनौजिया, नंदकिशोर विश्वकर्मा, सेराज हुसैन, सर्वेश श्रीवास्तव, पंकज देव पांडेय, प्रभात सिंह चंदेल, इमरान बक्शी, चंद्र मोहन शुक्ला, कृपाल मद्धेशिया, पवन अग्रवाल, संजीव श्रीवास्तव, रत्नेश कुमार, मकसूद अहमद, राजकुमार सिंह, महामंत्री जनपद के शाहगंज कस्बा निवासी युवा पत्रकार सर्वेश

कुमार श्रीवास्तव को मीडिया फोरम आफ इंडिया न्यास की जिला इकाई का सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष एवं कर्मा निवासी युवा पत्रकार पंकज देव पांडेय को जिला महामंत्री निर्वाचित घोषित किया गया। इस दौरान फोरम की बैठक की अध्यक्षता राजेश गोस्वामी ने की और चुनाव पर्यवेक्षक के रुप में न्यास के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रमणि शुक्ला तथा राकेश शरण मिश्र जहां उपस्थित रहे वही संगठन के दर्जनों पत्रकार चुनाव के साक्षी बनें। नवनिर्वाचित अध्यक्ष और महामंत्री ने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि वह पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे और सम्मानित पत्रकारों ने जो उनके ऊपर विश्वास कर दायित्व सौंपा है उस पर खरा उतरने का भरसक प्रयास करेंगे तथा संगठन को मजबूत करने का भी काम करेंगे।

सत्य प्रकाश केसरी, आलोक सिंह समेत दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।वही सर्वेश श्रीवास्तव अध्यक्ष और पंकज देव पांडेय चुने गए मीडिया फोरम के महामंत्री

दो दिवसीय विकेंड कोर्स प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड के बैनर तले बीएस ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेवारी सोनभद्र पर दो दिवसीय विकेंड कोर्स प्रशिक्षण पन्न हुआ. बतौर प्रशिक्षु डॉक्टर बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में पहली बार सप्ताहांत पाठ्यक्रम प्रशिक्षण का आयोजन ज्ञानोदय स्काउट दल द्वारा किया गया जो स्काउट मास्टर अशोक कुमार (एचडब्ल्यूबी) द्वारा संपन्न कराया गया। जिसमें तीन दर्जन से अधिक प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया। बतौर मुख्य अतिथि विजेंद्र तिवारी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर के कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। संयोजक राज किशोर सिंह

प्रधानाचार्य बीएस ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने बताया कि यह प्रशिक्षण स्काउट शिक्षकों और दलों के सदस्यों के लिए आयोजित था जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ प्रबोध कुमार सिंह जिला मुख्यायुक्त सोनभद्र ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि जनपद में पहली बार वीकेंड कोर्स संपन्न कराने के लिए ज्ञानोदय स्काउट दल के संचालक डॉ बृजेश कुमार सिंह को बहुत–बहुत धन्यवाद. काशी प्रसाद मौर्य जिला सचिव सोनभद्र में सभी प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहां की वीकेंड कोर्स सप्ताह के अंत में आयोजित किया जाता है ।

जो शनिवार और रविवार के दिन संपन्न कराया जाता है. बतौर प्रशिक्षक अशोक कुमार ने बताया कि वीकेंड कोर्स प्रशिक्षण निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार संपन्न कराया जाता है जो दो दिवसीय होता है. उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड के पदाधिकारियों में रविंद्र कौर शोखी (ए एस ओ सी) विंध्याचल मंडल मिर्जापुर, सैयद अनवर हुसैन जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट, सुनील कुमार सिंह जिला संगठन आयुक्त स्काउट सोनभद्र, नीरा सिंह जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड द्वारा प्रशिक्षुओं को बधाई दी गई. समापन सत्र में बतौर अतिथि उपस्थित राजेश्वरी सिंह प्राध्यापक भारतीय इण्टर कॉलेज घोरावल सोनभद्र ने प्रशिक्षण संपन्न कराने के लिए प्रशिक्षक महोदय को बधाई एवं प्रशिक्षु को शुभकामनाएं दी तथा कहा कि स्काउटिंग जीवन जीने की एक कला है इसे जीवन में अपनाने की जरुरत है।

अंत में संरक्षक दद्दी प्रसाद सिंह ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए सभा समापन की घोषणा की।

पूर्वांचल से इंसेफेलाइटिस उन्मूलन में योगी माडल सफल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। पूर्वांचल से इंसेफेलाइटिस बीमारी के उन्मूलन में योगी माडल सफल रहा। पिछले चार दशक तक उत्तर प्रदेश के 38 जिलों, विशेषकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के नौनिहालों के लिए मौत का पर्याय रही इंसेफेलाइटिस बीमारी पर योगी सरकार ने अजेय बढ़त प्राप्त कर है। पूर्व के वर्षो में मासूमों के ऊपर कहर बरपाने वाली इस महामारी से निजात के लिए तत्कालीन सांसद गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के सड़क से संसद तक के संघर्ष से पूरे प्रदेश का जन–जन परिचित है लेकिन तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार के उपेक्षित भाव के कारण वर्षो–वर्षो तक निर्दोष बच्चे काल के गाल में समाते रहे। पूर्वांचल में 1978 में पहली बार दस्तक देनी वाली इस विषाणु जनित बिमारी से 2017 तक लगभग 50 हजार से अधिक बच्चें असमय काल के गाल में समा चुके थे और लगभग 75 हजार बच्चे आजीवन शारीरिक या मानसिक विकलांगता झेलने को विवश हो चुके थे। 1978 से लेकर 2016 तक मध्य जून से मध्य अक्टूबर के चार महीने गोरखपुर और बस्ती मंडल के लोगों, खासकर गरीब ग्रामीण जनता पर बहुत भारी गुजरते थे भय इस बात का कि न जाने कब उनके घर के चिराग को इंसेफेलाइटिस का झोंका बुझा दे।1998 में संसद में पहली बार इस बीमारी का मुद्दा उठाने वाले सांसद योगी आदित्यनाथ ने तत्कालीन सत्ताधीशों की तंद्रा तोड़ने को कड़ी धूप में मेडिकल कॉलेज से जिलाधिकारी और कमीश्नर दफ्तर तक पैदल मार्च किया। उनकी सजल आंखों ने मेडिकल कॉलेज में मासूमों के मौत का खौफनाक मंजर भी देखा और अपने प्राण–प्रिय बच्चों के मृत शरीर के साथ बिलखती माताओं को भी देखा। 2017 में मुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण करते ही इस मुद्दे पर 02 दशक से भी अधिक समय तक संघर्षरत रहे योगी ने इस बिमारी के कारण, निवारण आदि को जानने के बाद उसे जड़ से मिटाने का संकल्प लेकर स्वास्थ्य सेवाओं मजबूत करने के साथ ही शुद्ध पेय जल और जागरूकता अभियान को मजबूत हथियार माना इसी ध्येय के साथ उन्होंने संचारी रोगों की रोकथाम के लिए दस्तक अभियान का सूत्रपात किया तथा इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विभाग, पंचायती राज, महिला एवं बाल–कल्याण आदि विभागों को जोड़ा गया और जनता को इंसेफेलाइटिस के खिलाफ जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गई। अपने समन्वित प्रयासों के द्वारा कोरोना जैसे वैश्विक महामारी के काल में भी अपनी ठोस और धरातली योजनाओं से इस पर 95 प्रतिशत तक काबू पा लिया गया। पिछले 5 वर्षो इंसेफेलाइटिस से मरने वालों का आंकड़ा दहाई से इकाई तक की संख्या में आ गया है। एक दौर था जब गोरखपुर के बी. आर.डी. मेडिकल कॉलेज के इंसेफेलाइटिस वार्ड में हृदय को भेदती चीखों के बीच एक बेड पर तीन से चार बच्चे भर्ती नजर आते थे आज इस वार्ड अधिकतर बेड खाली नजर आते है और जिसपर मरीज दिखेंगें वे भी सुकून में नजर आते है। यह सिर्फ इस वजह से सम्भव हुआ है क्योंकि सांसद के रूप में योगी ने इस महामारी को काफी करीब से देखा और मुख्यमंत्री बनते अपने टाप एजेंड में इंसेफेलाइटिस उन्मूलन को शामिल किया। आज अकेले गोरखपुर में 09 सीएचसी और 13पीएचसी समेत कुल 23 इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर पर्याप्त सुविधाओं के साथ इस बिमारी पर लगाम लगा रहे है। इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौतो में 2018 में 80 प्रतिशत, 2019 में 90 प्रतिशत और 2020 में 95 प्रतिशत की कमी आयी और देखते ही देखते गोरखपुर समेत समूचा पूर्वांचल इंसेफेलाइटिस से मुक्ति पाने में सफल रहा। देश के अन्य राज्यों को भी इंसेफेलाइटिस नियंत्रण के लिए योगी मॉडल को अपनाना चाहिए ताकि पूरे देश से इसका उन्मूलन हो सके। योगी सरकार के प्रयासों से यूं सिमटा दिमागी बुखार का कहर।

जयप्रताप सिंह ,सैययदा खतून,किरन शुक्ला ने किया नामांकन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के लिए आज विधानसभा क्षेत्र–(302) शोहरतगढ़ से अपना दल एस 02 सेट, समाजवादी पार्टी 02 सेट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 03 सेट, विकासशील इंसान पार्टी 02 सेट, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी 01 सेट, सुभासपा 02 सेट, निर्दल 03 सेट पर्चे की विक्री हुई।

विधानसभा क्षेत्र–(303) कपिलवस्तु (अ0जा0) से विजय पासवान समाजवादी पार्टी द्वारा 02 सेट में नामांकन दाखिल किया गया। इसके अलावा निर्दल 03 सेट पर्चे की विक्री हुई। विधानसभा क्षेत्र–(304) बांसी में जयप्रताप सिंह भाजपा 02 सेट, राधेश्याम बहुजन समाज पार्टी 01 सेट, किरन शुक्ला, कांग्रेस 01 सेट में नामांकन दाखिल किया गया। भारतीय एकलब्य पार्टी 01 सेट, समाजवादी पार्टी 05 सेट, अम्बेडकर किसान पार्टी 01 सेट, कांग्रेस 02 सेट, निर्दल 01 सेट में पर्चे की विक्री हुई। विधानसभा क्षेत्र–(305) इटवा से हरिशंकर सिंह बहुजन समाज पार्टी 02 सेट में नामांकन किया गया।

विधानसभा क्षेत्र–(306) डुमरियागंज सैययदा खतून समाजवादी पार्टी 01 सेट में नामांकन किया गया। ए.आई.एम.आई.एम. 03 सेट, आम आदमी पार्टी 01 सेट, निर्देल 01 सेट पर्चे की विक्री हुई।

विधानसभा चुनाव कें लिए सभी विधान सभाओ में प्रेक्षक नियुक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 को सकुशल, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराये जाने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 302–शोहरतगढ़ के लिए अनुप्रेरणा सिंह कुन्तल मो0नं0–9120784802, 7839880644, 303–कपिलवस्तु (अ0ज0) के लिए डा0 जी0वाणी मोहन मो0नं0–9335156913, 7839880645, 304–बांसी के लिए अशोक ए0 शिंगारे मो0नं0–9120784869, 7839880646, 305–इटवा के लिए संजय दूबे मो0नं0 –8858436455, 7839880647, तथा 306–डुमरियागंज के लिए भीष्म कुमार मो0नं0–9120784699, 7839880648 को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 302–शोहरतगढ़ एवं 303–कपिलवस्तु (अ0ज0) के लिए डी0एस0मीना मो0नं0–9335209516, 7839880642 तथा 304–बांसी, 305– इटवा तथा 306–डुमरियागंज हेतु गौरव कुमार जैन मो0नं0–9335346118, 7839880643 को मा0 व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही धीना करन मो0नं0–9335290663, 7839880649 को पुलिस प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। किसी भी प्रकार की समस्या/शिकायत हेतु प्रेक्षक के मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क कर सकते है।

चोरी की बाइक को इंस्पेक्टर की गाड़ी देख डाड़ी में छोड़ कर भागे चोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला क्षेत्र के गोला कौड़ीराम रोड़ स्थित डाड़ी चौराहे से गुजर रहे बाइक चोर सामने से गोला थाना के इंस्पेक्टर की आ रही गाड़ी को देख मिश्रा किराना स्टोर के सामने खड़ा कर फरार हो गए। डाड़ी चौराहे से आगे मिश्रा किराना स्टोर है। वहां साम को ग्राहकों की भीड़ होती है। कौडीराम की तरफ से एक बुलेट सवार आ रहा था। कि उसी समय इंस्पेक्टर गोला की गाड़ी सामने से आते देख बाइक सवार दुकान के बगल में बाइक खड़ा कर खिसक लिया देर रात दुकान मालिक शैलष मिश्रा ने वहां पर बुलेट बाइक लावारिस हालत में देख डायल 112 और थाने पर इसकी सुचना दी हरकत में आई गोला पुलिस छानबीन में जुट गई।

दुकानदार ने बताया कि पुलिस के काफी प्रयास के बाद पता चला की हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र में कुछ दिन पहले चोरी हुई थी। बाइक उन्ही की है। गोला पुलिस हरपुर थाने पर सुचना देकर बाइक स्वामी को बुलाई। मौके पर बाइक के कागजात के साथ पहुचे बाहन स्वामी से पहचान करा कर बाइक उन्हे सुपुर्द कर दी। गोला पुलिस की इस तत्परता का क्षेत्र की जनता काफी प्रसंसा कर रही है।

सूचना

मैं नफीसा परवीन पत्नी स्वर्गीय मो0 सत्तार यह घोषणा करती हूँ कि मैं अपने पुत्र मोहम्मद मोहसिन खान को अपने संपूर्ण चल व अचल संपत्ति बेदखल कर रही हूं आज की तिथि से प्रार्थनी का अपने लड़के मोहम्मद मोहसिन खान से कोई वास्तव सरोकार नहीं होगा। भविष्य में मोहम्मद मोहसिन खान के द्वारा कोई भी गलत कार्य किया जाएगा तो उसका जिम्मेदार वह स्वंय होगा।यदि कोई उससे लेन देन करता है तो उससे मेरा कोई लेना देना नही होगा।

प्रार्थनी
नफीसा परवीन पत्नी स्व0मो0सत्तार
ऑफिसर कॉलोनी बेलसड
थाना व जिला सिद्धार्थ नगर
दिनांक 30.01.2022

सम्पादकीय

गलवान की सच्चाई

साम्राज्यवादी चीन अपनी नाक बचाने के लिये किस सीमा तक जा सकता है, इसका खुलासा उस अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट से हुआ, जिसमें कहा गया है कि गलवान में भारतीय वीर जवानों से हुए संघर्ष में उसके नौ गुना अधिक सैनिक मारे गये थे।

महाशक्ति होने का दम भरने वाला चीन इस हद तक चला गया कि अपने जवानों की मौत को नकारने लगा है। बहरहाल, हताहतों की संख्या का खुलासा होने की खबरों ने चीन की फजीहत तो करा ही दी है। दरअसल, आस्ट्रेलिया के सोशल मीडिया शोधकर्ताओं के एक समूह ने एक साल की लंबी जांच के बाद निष्कर्ष निकाला कि जून, 2020 में भारत के साथ गलवान घाटी सीमा पर हुए आमने–सामने के संघर्ष में चीनी सैनिकों की हताहतों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों की तुलना में बहुत अधिक थी जिस पर बीजिंग ने पर्दा डालने की नाकाम कोशिश की। घटना के बाद रूसी सूत्रों ने 45 चीनी सैनिकों के मारे जाने की बात कही थी, जिसके आठ महीने बाद चीनी सरकार ने हताहतों की संख्या चार बतायी थी। एक आस्ट्रेलियाई अखबार ने दावा किया है कि इस संघर्ष में कम से कम 38 सैनिक रक्त जमाती नदी में अंधेरे के आगोश में समा गये थे। इसके विपरीत भारत ने अपने वीर सैनिकों के बलिदान का सम्मान करते हुए उजागर किया था कि इस घातक आमने–सामने की लड़ाई में उसके बीस सैनिक शहीद हुए। रिपोर्ट बताती है कि चीन के अधिकारियों ने सोशल मीडिया में नागरिकों की जानकारी व मीडिया रिपोर्टों पर पर्दा डाल दिया था ताकि दुनिया को गलवान घाटी का सच पता न चल सके। दुनिया के सामने जो तथ्य रखे गये वह चीनी सत्ताधीशों की मनगढ़ंत कहानियां मात्र थीं। लेकिन हालिया रिपोर्टों ने तथ्यों को छिपाने की चीनी सरकार की नाकाम कोशिश को दुनिया के सामने उजागर कर दिया। दुनिया ने जाना कि साम्यवादी चीन में सच्चाई को कैसे लौह आवरण के जरिये जनता के सामने आने से रोका जाता है। वहीं दूसरी ओर गलवान को लेकर चीनी मंसूबे वहां आयोजित हो रहे शीतकालीन ओलंपिक में उजागर हो गये हैं। उसने इन खेलों का राजनीतीकरण करते हुए जो कदम उठाया है, उसकी भारत में तीखी प्रतिक्रिया हुई है। दरअसल, चीन ने शीतकालीन ओलंपिक की मशाल का वाहक सेना के एक रेजिमेंटल कमांडर को बनाया है। यह सैन्य अधिकारी गलवान संघर्ष में शामिल था और टकराव में घायल हुआ था। भारत ने खेलों को राजनीति से जोडने के प्रयासों की कड़ी निंदा की है। भारत ने निर्णय किया है कि भारतीय अधिकारी शीतकालीन ओलंपिक समारोह के उद्घाटन और समापन समारोह में भाग नहीं लेंगे। भारत के विदेश मंत्रालय ने चीन के उस उकसाने वाले कदम की भी निंदा की है, जिसमें अरुणाचल प्रदेश के एक भारतीय किशोर के अपहरण के बाद उसे यातानाएं दी गई। इतना ही नहीं, अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के एक सीनेटर ने भी शीतकालीन ओलंपिक के राजनीतीकरण के चीनी प्रयासों की तीखी आलोचना की है। साथ ही कहा कि ओलंपिक मशाल ले जाने वाला अधिकारी उस सैन्य कमान का हिस्सा था, जिसने भारत पर हमला किया था। साथ ही चीन के अल्पसंख्यक मुस्लिमों के दमन में भी शामिल था। बहरहाल, ताजा खुलासे से स्पष्ट हो गया है कि गलवान संघर्ष चीन के शक्ति प्रदर्शन और विस्तारवादी नीतियों का सुनियोजित एजेंडा था। इसके बावजूद कोई देश अपने शहीदों के बलिदान को नकारने जैसा कृत्य करे तो यह उसकी निरंकुशता का ही परिचायक है। इन्हीं हालात में भारतीय सीमा पर पैदा की जा रही चुनौतियों को देखते हुए आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे को कहना पड़ा कि हम भविष्य में होने वाली जंग का ट्रेलर देख रहे हैं। एक ऑनलाइन सेमिनार में भाग लेते हुए उन्होंने देश का ध्यान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये चीन व पाकिस्तान से पैदा होने वाली चुनौतियों की ओर खींचा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत भविष्य में होने वाले संघर्ष की झलकियां देखते हुए अपने रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की लगातार कोशिश कर रहा है। साथ ही उत्तरी सीमाओं पर आधुनिक तकनीक से लैस सक्षम बलों को तैनात करने की जरूरत बतायी।

लोकतंत्र के शुद्धीकरण का पर्व भी है चुनाव

चुनाव प्रक्रिया को लोकतंत्र की प्राणवायु माना जाता है। यदि प्राणवायु दूषित हो तो लोकतंत्र का स्वास्थ्य कैसा होगा ? वायु प्रदूषण के लिए हमारा देश दुनिया में बदनाम है। खासकर हर वर्षांत चर्चा में आनेवाली विश्व के प्रदूषित शहरों की सूची से भी यह प्रमाणित होता रहता है। अपनी नाकामी का ठीकरा दूसरों के सिर फोडने में माहिर हमारा सत्तातंत्र इस वायु प्रदूषण के लिए दीपावली पर पटाखे चलाने वालों से लेकर खेतों में पराली जलानेवालों तक को जिम्मेदार ठहरा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेता है।

राजकुमार सिंह

जबकि शर्मनाक सच यह है कि इन दिनों में चौतरफा हाय–तौबा वायु गुणवत्ता का स्तर बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच जाने पर मचती है, वरना तो पूरे साल ही हमारे बड़े शहरों के निवासी जानलेवा बीमारियों की जनक जहरीली हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। प्रदूषित वायु हर साल कितनी अकाल मौतों का कारण बनती है, और उससे होने वाली बीमारियों के इलाज पर हर साल कितनी रकम खर्च होती हैकृये आंकड़े भी जब–तब आते रहते हैं। निश्चय ही प्रदूषण बढ़ाने वाले तथा उसे नियंत्रित करने में नाकाम तंत्र जन जीवन से खिलवाड़ के अक्षम्य अपराधी हैं, लेकिन यहां हमारी चर्चा का विषय लोकतंत्र की प्राण वायु का खतरनाक स्तर तक प्रदूषित हो जाना है।

गुणवत्ता की बहस जिस तरह वायु के संदर्भ में हमारे देश में अप्रासंगिक हो गयी है, उससे भी बुरा हाल लोकतंत्र की प्राणवायु यानी चुनाव प्रक्रिया का है। जाहिर है, चुनाव प्रक्रिया जितनी स्वच्छ होगी, प्राण वायु उतनी ही बेहतर होगी, जो अंततरू लोकतंत्र के स्वास्थ्य का आधार बनती है। निश्चय ही चुनाव प्रक्रिया की स्वच्छता कई कारकों पर निर्भर करती है, लेकिन सबसे अहम है चुनाव लडने वाले उम्मीदवार। जैसे उम्मीदवार होंगे, वैसा ही प्रचार होगा, जिससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। यही उम्मीदवार निर्वाचित जन प्रतिनिधि के रूप में संसद या विधानसभाओं में पहुंच कर कानून निर्माता बनते हैं। जाहिर है, जैसे हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि होंगे, वैसी ही उनकी प्राथमिकताएं होंगी और अंततरू वे वैसी सत्ता व्यवस्था भी बनायेंगे। भारतीय राजनीति में धनबल और बाहुबल के बढ़ते प्रभाव पर अरसे से हर स्तर पर चिंता जतायी जाती रही है, लेकिन समस्या के निराकरण की दिशा में ईमानदार ठोस प्रयास न किये जाने का ही परिणाम है कि दवा के दावों के बावजूद मर्ज बढ़ कर नासूर बनता दिख रहा है।

बेशक धनबलियों और बाहुबलियों के प्रभाव का लाभ उठा कर अपनी राजनीति चमकाने की प्रवृत्ति हमारे राजनीतिक दलों–नेताओं में नयी नहीं है। सत्तर के दशक में भी खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में कुछेक धनबलियों–बाहुबलियों की राजनीतिक उपस्थिति रही, लेकिन परंपरागत राजनेताओं के लिए अपने धनबल और बाहुबल का इस्तेमाल करते हुए ऐसे लोगों में खुद सत्ता–सुख भोगने की ऐसी लालसा जगी कि आज राजनीति ही ऐसे लोगों के चंगुल में फंसी नजर आ रही है। विडंबना देखिए कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में आज किसी भी दल–नेता को ऐसे बाहुबलियों को चुनावी राजनीतिक लाभ के लिए गले लगाने में शर्म नहीं आती, जिन पर हत्या–बलात्कार सरीखे जघन्य अपराध दर्ज हैं। यह बहस का मुद्दा हो सकता है कि किस राजनीतिक दल–नेता ने आपराधिक छवि वालों को राजनीति में बढ़ावा देने की पहल की या किसकी इसमें ज्यादा हिस्सेदारी रही है, लेकिन आज तो सभी में इस मामले में एक–दूसरे से आगे निकल जाने की होड़–सी लगी है। अब जबकि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया जारी है, एक–दूसरे पर राजनीति के अपराधीकरण का आरोप लगाते हुए भी कोई दलदृनेता इस मामले में पीछे रह कर मिसाल नहीं बनना चाहता। विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में देश का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश भी शामिल है, जिसे अक्सर देश की राजनीति को दिशा देने का श्रेय भी दिया जाता है। उसी उत्तर प्रदेश में पहले चरण में मतदान वाली 58 सीटों पर ही एक–चौथाई उम्मीदवारों के दामन पर गहरे आपराधिक दाग हैं तो ऐसी प्रदूषित प्राण वायु से कैसा और कितना स्वस्थ लोकतंत्र बनेगाकृयह जानने के लिए किसी गहन शोध की जरूरत तो नहीं होनी चाहिए। चुनाव सुधार के मामले में चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों तक की कथनी–करनी में फर्क इतना ज्यादा है कि अब उनसे किसी तरह की उम्मीद रखना भी बेमानी लगता है। सच तो यह है कि देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा भी इस दिशा में की गयी पहल के गहरे संकेतों की गंभीरता भी राजनीतिक दल और चुनाव आयोग नहीं समझना चाहते। स्वयंसेवी संस्थाओं से लेकर न्यायपालिका तक के द्वारा बार–बार चुनाव प्रक्रिया समेत पूरे लोकतंत्र के शुद्धीकरण का आग्रह किये जाने के बावजूद हमारे राजनीतिक दलों और उनके नेतृत्व का आचरण यह है कि 10 फरवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जिन 58 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है, वहीं लगभग 25 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे हैं, जिनके विरुद्ध गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह भी कि प्रमुख राजनीतिक दलों में से किसी ने भी ऐसे दबंगों पर चुनावी दांव लगाने से परहेज नहीं किया यानि राजनीति के अपराधीकरण के आईने में सभी बेनकाब हैं। ध्यान रहे कि चुनाव मैदान में ताल ठोंक रहे इन दबंगों ने, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के चलते, अपने इन कारनामों का खुलासा खुद नामांकन पत्र के साथ दाखिल हलफनामे में किया है। हां, आपराधिक दामन वालों पर दांव लगाने में विभिन्न राजनीतिक दलों में हिस्सेदारी का अंतर हो सकता है। मसलन चुनाव सुधार के लिए सक्रिय गैर–सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने जिन 615 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया है, उनमें सबसे ज्यादा दागी 75 प्रतिशत समाजवादी पार्टी के हैं, जबकि उसके सहयोगी रालोद के ऐसे उम्मीदवारों का प्रतिशत 59 है। देश में नयी तरह की राजनीतिक संस्कृति विकसित करने का दावा करने वाली भाजपा ने भी 51 प्रतिशत दागियों पर दांव लगाया है तो ऐतिहासिक पराभव के दौर से गुजर रही कांग्रेस के दागी उम्मीदवारों का प्रतिशत 36 है। मायावती की बसपा के उम्मीदवारों में दागियों का प्रतिशत 34 है तो आम आदमी की राजनीति करने का दम भरने वाले अरविंद केजरीवाल की आप ने भी 15 प्रतिशत अपराधियों पर दांव लगाया है। बेशक इन्हें अभी तक न्यायालय द्वारा अंतिम रूप से दोषी नहीं ठहराया गया है, लेकिन अगर हत्या, हत्या का प्रयास, बलात्कार और धन शोधन–फर्जीवाड़े सरीखे गंभीर मामले लंबित हों, जिनमें सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती हो, तो लोकतंत्र की शुचिता के प्रति उसके स्वयंभू ठेकेदारों की प्रतिबद्धता पर गंभीर सवाल तो उठेंगे ही। अगर सामाजिक न्याय से लेकर राष्ट्रवाद तक के इन स्वयंभू पैरोकारों के पास चुनाव लड़वाने के लिए साफ छवि वाले उम्मीदवार तक नहीं हैं, तो यह खुद उन पर एक गंभीर सवालिया निशान है। ध्यान रहे कि यह तो सिर्फ एक राज्य के प्रथम चरण में मतदान वाले उम्मीदवारों के कारनामों के आंकड़े हैं। अतीत का कटु अनुभव बताता है कि मतदान के अन्य चरणों तथा राज्यों में भी हमारे राजनीतिक दल दबंगों पर चुनावी दांव लगाने में पीछे नहीं रहेंगे। दरअसल समय–समय पर मुखर चिंताओं के बीच भी राजनीति के अपराधीकरण का यह सिलसिला कम होने के बजाय बढ़ ही रहा है। पिछले साल ही सर्वोच्च अदालत में यह आंकड़ा पेश किया गया था कि चुनाव लडने से आगे बढ़ कर अब विधानसभा और संसद में भी ऐसे लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिनके विरुद्ध गंभीर अपराध दर्ज हैं। 22 राज्यों के आंकड़े पेश करते हुए सर्वोच्च अदालत को बताया गया था कि दागी दामन वाले सांसद–विधायकों की संख्या 2556 तक पहुंच गयी है। अगर इनमें पूर्व माननीयों को भी शामिल कर लिया जाये तो आंकड़ा 4442 पर पहुंच जाता है। कानून तोडने के जिन आरोपियों को कठघरे में खड़ा होकर पहले खुद के पाक–साफ होने का प्रमाण हासिल करना चाहिए, अगर वे ही संसद–विधानसभाओं में पहुंच कर कानून बनाने लगेंगे तो कैसा लोकतंत्र बनेगा और कैसी सत्ता व्यवस्थाकृहर मतदान के वक्त चुनावी मुद्दों के साथ ही इस पर भी विचार जरूरी है। अगर खुद मतदाताओं ने लोकतंत्र के शुद्धीकरण का संकल्प नहीं लिया तो मर्ज को नासूर बनने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

आखिर टूट ही गई लता मंगेशकर की जिंदगी की लड़ी

डॉ श्रीगोपाल नारसन

मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 28 दिन भर्ती रहने के बाद भारत की स्वर कोकिला और भारत रत्न से सम्मानित लता मंगेशकर की जिंदगी की लड़ी आखिर टूट ही गई । लता मंगेशकर को 28 दिन पहले सांस की तकलीफ के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सब की दुआओं और प्रार्थनाओं के बावजूद लता मंगेशकर का स्वास्थ्य ठीक नही हो पाया और वे चल बसी।

स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने मात्र 5 साल की उम्र में ही अपने पिता के मराठी संगीत नाट्य में कार्य किया था । सन 1942 में इनके पिता की मौत हो गई। इस दौरान ये मात्र 13 वर्ष की थीं। नवयुग चित्रपट फिल्म कंपनी के मालिक और इनके पिता के दोस्त मास्टर विनायक ने इनके परिवार को संभाला और लता मंगेशकर को एक सिंगर और अभिनेत्री बनाने में भरपूर मदद की।

लता मंगेशकर का जन्म 28 सितंबर सन 1929 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था। इनके पिता दीनानाथ मंगेशकर, प्रतिभाशाली शास्त्रीय गायक और थिएटर अभिनेता थे, और माँ शुधमती थी, जोकि माई के नाम से भी जानी जाती थी, इनके पाँच प्रतिभाशाली बच्चों में से लता मंगेशकर सबसे बड़ी है। लता मंगेशकर के अन्य भाई–बहनों के नामदृ हृदयनाथ, आशा, ऊषा और मीना हैं; ये सभी सफलता की बुलन्दियों को छूने के साथ मराठी और हिंदी संगीत उद्योग में प्रतिष्ठित रहे हैं। लता मंगेशकर बहुत कम उम्र से ही अपने पिता के गायन और के.एल. सहगल के संगीत से प्रभावित रही। लता मंगेशकर के पिता ने उनके गायन की प्रतिभा को प्रोत्साहित किया। पिता का देहान्त हो जाने के बाद लता ने अपने घर का भरन–पोषण करने के लिए फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया। सन1942 में, लता मंगेशकर ने पहली बार मंगलागौरय में अभिनय किया। इसके बाद लता मंगेशकर ने माझे बाल(1944), चिमुकला संसार(1943), गजभाऊ(1944), बड़ी माँ(1945), जीवन यात्रा(1946) और छत्रपति शिवाजी(1952) फिल्मों में अभिनय किया और अपनी अभिनय कला सिद्ध की।लता मंगेशकर ने अपने संगीत सफर की शुरुआत मराठी फिल्मों से की। इन्होंने मराठी फिल्म शकिटि हासलश (1942) के लिए एक गाना श्नाचुं या गडे, खेलूं सारी मनी हस भारीश गाया, मगर अंत समय में इस गाने को फिल्म से निकाल दिया गया। इसके बाद विनायक ने नवयुग चित्रपट की मराठी फिल्म श्पहली मंगला गौरश (1942) में कार्य किया और फिल्म में गाना श्नातली चौत्राची नावलाईश गाया। वर्ष 1947 में लता मंगेशकर के जीवन ने एक नया मोड़ लिया। भारत के विभाजन के बाद, उस समय के लोकप्रिय गायक नूर जहान और कई निर्देशकों ने देश छोड़ दिया था ,जिसने लता मंगेशकर के लिए सफलता के दरवाजे खोल दिए। स्वतंत्रता के बाद, लता मंगेशकर ने सन 1947 की मुख्य फिल्म श्आपकी सेवाय में गीत गाए, इस फिल्म के गीतों ने इन्हें फिल्मी उद्योग में अद्भुत सफलता दिलवाई और सन 1949 में गीत श्आयेगा आनेवालाय भी काफी लोकप्रिय हुआ।सन 1950 के दशक तक, लता मंगेशकर ने खुद को फिल्मों में एक गायिका के रूप में स्थापित कर लिया था। लता मंगेशकर उस समय के कुछ महान संगीत निर्देशकों जैसे अनिल विश्वास और शंकर–जयकिशन के साथ काम करती थीं। लता मंगेशकर ने श्एक थी लड़कीय, श्महाय, श्बड़ी बहनय और श्बरसातय जैसी फिल्मों में गीत गाए, जिसने उन्हें और अधिक सफल गायिका बना दिया। लता मंगेशकर ने लगभग सभी प्रमुख संगीत निर्देशकों के साथ काम किया और तीन दशकों तक हिंदी फिल्म उद्योग पर छायी रहीं, वह फिल्मी गीतों की निर्विरोध म्यूजिकल क्वीन कही जाती थी। लता मंगेशकर ने कुछ प्रसिद्ध संगीत निर्देशकों जैसे आर. डी. बर्मन, सलिल चौधरी, एस.डी. बर्मन, नौशाद, सी. रामचंद्र और मदन मोहन और कई अन्य हस्तियों के साथ गीत गाए। लता मंगेशकर के यादगार गीतों में से कुछ गीत उनके प्रशंसकों के दिल पर आज भी राज करते हैं, उनमें राम तेरी गंगा मैलीय(1986), श्लेकिन य(1990), श्जंगलीय(1961), श्जब जब फूल खिलेय (1965) आदि शामिल है। सन 2001 में, भारत सरकार ने लता मंगेशकर को सर्वोच्च भारतीय नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा था।जो संगीत व गायन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।स्वर कोकिला लता मंगेशकर से सन 2010 में उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक व उनके साथ रुड़की के साहित्यकार डॉ योगेंद्र नाथ शर्मा अरुण साथ मुम्बई में मिलने उनके आवास पर गए। उस समय भी वे अस्वस्थ थीं और अस्पताल जा रही थी। उसी समय डॉ अरुण ने यह दोहा रचा

लय औ ताल दोनों मिले,
जीवन है संगीत।
तानसेन की आत्मा,
बैजू की है प्रीत।

यह दोहा जब लता जी को उन्होंने सुनाया,तो वे गद–गद हो गईं और उनसे लगभग 15 मिनिट बातें की। डॉ निशक ने उन्हें अपना काव्य–संग्रह ऐ वतन तेरे लिएकी प्रति भेंट की तो उन्होंने पुस्तक में छपे कुछ गीतों को गाने का वायदा किया था, जो बाद में पूरा भी किया। इस चित्र में डॉ निशक और डॉ योगेन्द्र नाथ शर्मा अरुण के साथ मुंबई के हास्य–व्यंग्य कवि डॉ मुकेश गौतम भी हैं। मां सरस्वती की महान पुत्री लता मंगेशकर का सरस्वती दिवस बसंत पंचमी से अगले दिन जाना यह सिद्ध करता है कि उनकी आत्मा ,स्वर और शरीर तीनो में सरस्वती विराजित रही।उन्हें शत शत नमन।

::::::: कविता :::::::

लता जी की यादें...
भुला न सकेगा कभी ये जमाना,
लता जी की यादें, लता जी का गाना।
यकीनन भर आएंगी लोगों की आंखें,
लता जी का सुनकर, कोई भी तराना।
वो बचपन से सुर साधना कर रहीं थीं,
था संगीत से उनका रिश्ता पुराना।
रहीं गीत संगीत को वो समर्पित,
कला को लता जी ने पूजा सा माना।
सभी से जुदा थीं, वो स्वर कोकिला थीं,
लता जी को आसां न होगा भुलाना।

नियाज
कपिलवस्तुवी/दैनिक बुद्ध का संदेश

सपा से जगराम पासवान कांग्रेस पार्टी से धीरेंद्र प्रताप सिंह ने किया नामांकन

नामांकन के तीसरे दिन 20 राजनैतिक दलों के प्रत्याशी निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र किया क्रय

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। विधानसभा क्षेत्र बलरामपुर से जगराम पासवान– प्रत्याशी समाजवादी पार्टी तथा विधानसभा क्षेत्र उतरौला से धीरेंद्र प्रताप सिंह– राजनैतिक दल इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा नामांकन पत्र

सामान्य निर्वाचन– 2022 हेतु नामांकन के तीसरे दिन 2 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया। विधानसभा क्षेत्र बलरामपुर से जगराम पासवान– प्रत्याशी समाजवादी पार्टी तथा विधानसभा क्षेत्र उतरौला से धीरेंद्र प्रताप सिंह– दाखिल किया गया। विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के दृष्टिगत नामांकन के तीसरे दिन कुल 20 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र क्रय किया गया। नामांकन के तीसरे दिन विधानसभा क्षेत्र गैसड़ी हेतु 03 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र क्रय किया गया। नामांकन के तीसरे दिन विधानसभा क्षेत्र तुलसीपुर हेतु 01 प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र क्रय किया गया। नामांकन के तीसरे दिन विधानसभा क्षेत्र उतरौला हेतु 14 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र क्रय किया गया। नामांकन के तीसरे दिन विधानसभा क्षेत्र बलरामपुर हेतु 02 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र क्रय किया गया।

सैकड़ों एकड गेहूँ की फसल जलमग्न- आक्रोशित किसानों ने सौपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैरवां चन्दनपुर व बैरवां जंगल के दर्जनों किसान रविवार की दोपहर एक बजे रतनपुर स्थित रोहिन नदी के बैराज पर पहुचकर सिंचाई विभाग के जेई से सम्बन्धित एक ज्ञापन मेट शिवपूजन गिरी को सौंपा जिसमे लिखा है कि रोहिन नहर के पानी से सैकडों एकड गेंहू की फसल जलमग्न हो गया है जो बर्बाद होने के कगार पर है। जिसकी सूचना विभाग को कई बार दी गई लेकिन कोई सुनवाई नही हो रही है। नहर के पानी खेतों मे जा रहा है जिसको रोकने के लिए विभाग द्वारा कोई उपाय नही किया जा रहा है। आक्रोशित किसानो ने सिचाई विभाग को एक ज्ञापन देकर नहर के पानी को तत्काल रोकने की मांग किया है। ज्ञापन देने वालों मे बैरवा चन्दनपुर के प्रधान मकसूद आलम, बैरवां जंगल के प्रधान सुग्रीव यादव किसान जौवाद अली, मकबूल अहमद, चन्द्रभान, रामशंकर चौधरी, इरशाद, कमाल अख्तर, महबूब

आलम, जलालुद्दीन, सत्यनारायण यादव, समसुद्दीन सहित तमाम लोग सामिल रहे। इस सम्बन्ध मे अवर अभियन्ता मुकेश कुमार का कहना है वर्षात होने के कारण नहर मे पानी का लेबल बढ गया है। किसानो की समस्या को देखते हुए पानी को डायवर्ट कर नदी मे गिराया जा रहा है अब नहर मे पानी कम हो जाएगा।

देवहार में हुआ वन अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

वनों की सुरक्षा का ग्रामीणों ने लिया शपथ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र । म्योरपुर रेंज अंतर्गत ग्राम देवहार में रविवार को वन अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वन अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को वनों से होने वाले लाभ के बारे में बताया गया वनों को आगजनी की घटनाओं से कैसे बचाया जाए इस पर भी विस्तृत रूप से चर्चा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से यह शपथ लिया कि वनों की सुरक्ष हम लोग करेंगे तथा वनों में आग लगने पर हम सभी उसे मिलकर बुझाएंगे तथा जंगल की सुरक्षा करेंगे।इस दौरान वन दरोगा विजेंद्र कुमार, वन रक्षक श्यामलाल,ग्राम प्रधान देवहार सहित दर्जनों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वरिष्ठ भाजपा अभिषेक पाल ने किया कोविड19 के नियमों के अधीन मतदान करने की अपील

भाजपा नेता अभिषेक पाल अपने सैकड़ों समर्थकों

दैनिक बुद्ध का संदेश

संतकबीरनगर। वरिष्ठ भाजपा नेता अभिषेक पाल अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बस्ती सदर प्रत्याशी दयाराम चौधरी और खलीलाबाद सदर प्रत्याशी अंकुर राज तिवारी के नामंकन सभा में पहुंचे। उक्त द्वय कार्यक्रम में पाल ने भाजपा डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों को बताते हुए भाजपा के पक्ष में कोविड19 के नियमों के अधीन मतदान करने की अपील किया। पाल ने कहा आज उत्तर प्रदेश का चुनाव पर पूरे विश्व की नजर है और हम सभी का मतदान देश को विश्व गुरु बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। इस मौके पर सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के संयोजक सरोज मिश्रा, आर्थिक प्रकोष्ठ संयोजक आशीष श्रीवास्तव, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ संयोजक आलम चौधरी, संतकबीरनगर, कार्यालय प्रमुख टी पी पाण्डेय, अजय श्रीवास्तव, दीपक गौड, वागीश सिंह, सुख सागर उपाध्याय, आलोक शुक्ल, मनीष भट्ट सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बीजेपी समर्थित प्रत्याशी ऋषि त्रिपाठी का ढोल नगाड़े संग किया स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवां। भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन के घोषित प्रत्याशी ऋषि त्रिपाठी के इंतजार में भारतीय जनता पार्टी नगर कार्यालय पर बीजेपी कार्यकर्ताओं का उत्साह दिखा बीजेपी कार्यालय पर भारी संख्या में कार्यकर्ता अपने नव घोषित प्रत्याशी के इंतजार में ढोल नगाड़े पर नाचते हुए नजर आए। आपको बताते चलें कि 1. 00 बजे तक ऋषि त्रिपाठी नौतनवा विधानसभा में प्रवेश कर चुके थे। कार्यकर्ता जगह–जगह पर फूल माला पहनाकर उनका स्वागत कर रहे थे, अगर नौतनवा की बात करें तो छपवा तिराहे से बीजेपी कार्यालय तक कार्यकर्ता जगह–जगह फूल माला लेकर खड़े मिले और आगामी विधानसभा की चुनाव में भारी मतों से जीत की शुभकामनाएं दी।

वैक्सीनशन को दें जनांदोलन का रूप- अजय कुमार सिंह

संवाददाता

सुलतानपुर। श्याम कुमारी इंटर कालेज पेमापुर में छात्र छात्राओं का कोविड वैक्सीनशन किया गया। छात्र छात्राओं का वैक्सीनशन को लेकर गजब का उत्साह देखने को मिला। कालेज प्रबंधक अजय कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि कोविड की तीसरी लहर को देखते हुवे छात्र छात्राओं का वैक्सीनशन अति आवश्यक है। तीसरी लहर की कमजोर गति का मुख्य कारण व्यापक पैमाने पर हुवा वैक्सीनशन ही है। छात्र छात्राओं ने कोरोना को हराना है वैक्सीनशन कराना है आदि जैसे नारो से विदयालय परिसर को गुंजायमान कर दिया। अमेरिका जैसे देश की तुलना में भारत का वैक्सीनशन दर ऊंचा रहा है जो एक महान उपलब्धि है। इस अवसर पर छात्र छात्राओं में हर्ष का माहौल देखा गया।स्वास्थ विभाग की तरफ से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुर से काउंसेलर अजय वर्मा,ए एन एम माया पांडेय,नर्स एवं आया मोमिन रही। इस अवसर पर कालेज डायरेक्टर अमर प्रताप सिंह इं प्राचार्य दिलीप दूबे, सिंधु त्रिपाठी, अमर बहादुर वर्मा,डॉ अमर बहादुर सिंह आदि मौजूद रहे।छूटे हुवे छात्र छात्राओं को विद्यालय प्रबंधक व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भविष्य में वैक्सीनशन कराए जाने की बार कही।

आज करेंगे भाजपा प्रत्याशी ओम प्रकाश बजरंगी नामांकन

संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बीते विधानसभा चुनाव 2017 में मामूली अंतर से शिकस्त पाने वाले ओम प्रकाश बजरंगी, इसबार पुनः इसौली विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर मैदान में है, बताते चले बीते विधानसभा चुनाव में जीत से चंद कदम की दूरी पर रहने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश बजरंगी 2017 के बाद से इसौली विधानसभा को विधायकी क्षेत्र न मानकर अपना घर और यहां के लोगों को परिवार मानकर उसके सुख–दुख में शामिल रहना, क्षेत्र में विकास और केंद्र व राज्य सरकार के द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं का सर्वजन तक लाभ पहुंचाने के लिए हर वख्त इसौली में बने रहे। श्री बजरंगी ने इसौली विधानसभा में जिस सूखी खेती को भाजपा के लिए खाद, पानी देकर तैयार किया था, आज वह भारतीय जनता पार्टी के लिए लएलाहाती फसल बनकर तैयार हो गई है, भाजपा नेता ओम प्रकाश बजरंगी के द्वारा क्षेत्र में किये गये काम का आंकलन करने के पश्चात भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें इसौली फतेह करने की जिम्मेदारी सौंपते हुए उनके नाम की घोषणा के साथ टिकट दिया है, ओम प्रकाश बजरंगी ने बताया की मंगलवार को पूरे विधि विधान से पूजन–अर्चन के बाद नामांकन करूंगा, उन्होनें कहाकि इसौली विधानसभा की सम्मानित जनता हमारे साथ है, क्योंकि भाजपा सरकार बगैर किसी भेदभाव के सबके साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नीति पर काम करती है, और इसी नीति के साथ मैं इसौली विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ पिछले पांच साल से जुड़ा हूं।

नौतनवां नगर ने खुल रहे नए-नए व्यापार से हमारा नगर विकास की तरफ अग्रसर है- गुड्डू खान

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज। नौतनवा नगर के वार्ड नं0 7 घनश्याम नगर गल्लामंडी रोड पर खुले नवीन प्रतिष्ठान बंका ट्रेडर्स के उद्घाटन अवसर पर पहुचे नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान ने प्रतिष्ठान के प्रोप0 दिव्यांशु जायसवाल को प्रतिष्ठान को रफ्तार देने का गुरुमंत्र एवं शुभकामनाएं दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने बताया कि कोविड काल के बाद से हमारे नगर ने नए–नए व्यापार खुलने से नगर विकास की तरफ अग्रसर है और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे है इससे यहा रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध हो रहे है। इस अवसर पर प्रोप0 ने बताया कि हमारे प्रतिष्ठान पर अंदाज तथा रिबैंड कम्पनी का नया ई–रिक्सा उपलब्ध है इसके अलावा यहां सभी प्रकार के ई–रिक्सा की मरम्मत तथा OKAYA. EASTMAN तथा LIVEGARD की बैट्री उपलब्ध है। इस अवसर पर शाहनवाज खान, भानू कुमार, मो0 शकील, प्रमोद पाठक, दुर्गा जायसवाल, बिरेन्द्र जायसवाल, सफीक अहमद आदि लोग उपस्थित रहे।

आओ चलो मतदान करें, राष्ट्र का हम निर्माण करें

संवाददाता

सीतापुर। अन्नपूर्णा सेवा संस्थान संरक्षिका पुष्पा अवस्थी की अध्यक्षता तथा संस्थान अध्यक्ष नवीन द्विवेदी के संरक्षण में काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिस का संचालन रामकिशोर श्रीवास्तव ने किया। जेल रोड स्थित सरस्वती संगीत महाविद्यालय के सभागार में आयोजित काव्य गोष्ठी का शुभारंभ जी0एल0 गांधी की वाणी वंदना के माध्यम से हुआ। स्वर साम्राज्ञी स्वर्गीय लता मंगेशकर के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए सभी कवियों और शायरों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा अंत में मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई। अध्यक्षता कर रही पुष्पा अवस्थी ने कहा लता दीदी तुम स्वर हो तुम स्वर का स्वर हो, सरल हो सहज हो पर दुष्कर हो। वरिष्ठ उपाध्यक्ष महफूज रहमानी ने कहा ऐ वोटरो यह ध्यान में रखने की बात है। नेता वही बने जो पढ़ा पांचवी ना हो। यासीन इब्ने उमर ने कहा आओ चलो मतदान करें, राष्ट्र का हम निर्माण करें। एपी गौतम ने सुनाया अपनी सरकार बनाने में सहयोग दें और मतदान करने में सहयोग दें। जीएल गांधी ने सुनाया आज कैसी बसंत ऋतु आई सखियां, कीन्हा कुविजा मिताई राधा छोड़ी सखियां। राम किशोर श्रीवास्तव ने सुनाया आया चुनाव का महापर्व, मतदान हमें भी करना है। काव्य गोष्ठी में पुष्पा अवस्थी, महफू ज रहमानी, एपी. गौतम, यासीन इब्ने उमर, राम किशोर श्रीवास्तव, जीएल गांधी, नफीस सीतापुरी, केपी मिश्र, राजबहादुर वर्मा, गीता श्रीवास्तव, सूबेदार वर्मा, आलोक कुमार, अरुण कुमार श्रीवास्तव व बृजेंद्र कुमार मिश्र आदि।

पूर्व सांसद समेत कई दिग्गजों ने किया नामांकन

संवाददाता

सुल्तानपुर। कलेक्ट्रेट में नामांकन के दौरान आज दिन सोमवार को सुलतानपुर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी फिरोज अहमद ने कहाकि भाजपा विकास के हर मोर्चे पर असफल रही है। वही इसौली विधानसभा से सपा प्रत्याशी पूर्व सांसद मों ताहिर खान ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया और मीडिया से रूबरू हुये और कहा कि विकास ही पहली प्राथमिकता है और जाति धर्म का बंधन तोड़ हर तबके के लोग हमारे साथ है। हमारा घर इसौली है और हमारी लड़ाई किसी से नही है।

सदर सीट से भाजपा गठबंधन से राज बाबू उपाध्याय व कांग्रेस के अभिषेक सिंह राणा ने कोविड नियमों का पालन करते हुए अपना नामांकन दाखिल किया। कादीपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेश गौतम व कांग्रेस की निकलेश सरोज ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। लम्भुआ से सपा प्रत्याशी पूर्व विधायक संतोष पाण्डेय व भाजपा से निवर्तमान विधायक सीताराम वर्मा ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

गायत्री परिवार ने दी भारत रत्न लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि

संवाददाता

सीतापुर। स्वर साम्राज्ञी भारत रत्न लता मंगेशकर के निधन पर गायत्री परिवार ने शोक व्यक्त किया है। शांतिकुंज प्रतिनिधि डॉ चिन्मय पंड्या ने ट्वीट किया। लता जी का हम सब के बीच न रहना एक अत्यंत दुरूखद खबर है।

संक्षिप्त समाचार

चोरों ने उड़ाया लाखों का सामान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के कनेटी गांव में चोरों ने ताला तोड़कर पूर्व प्रधान के घर से लाखों के समान और नगदी उड़ाया। सोमवार को भुगत भोगी ने कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी। प्राप्त जानकारी अनुसार कोतवाली क्षेत्र के कनेटी गांव के पूर्व प्रधान छोटेलाल पुत्र श्रीनाथ अपने भाई के ससुराल में एक तेरहवीं के कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित होने के गये रविवार को शाहगंज थाना के पिपरी नंबर एक गांव गये थे। जब सोमवार की सुबह वे अपने घर कनेटी वापस आए तो वहां का नजारा देख घबरा गए। देखा कि घर का चौनल व बक्सों का ताला टूटा हुआ है।और समान बिखरा पड़ा है। घर में रखी अलमारी और चार बक्सों के ताले टूटे हुए हैं। बक्से में रखा करीब 1 लाख 16 हजार रुपये, मंगल सूत्र 3 अदद, अंगूठी 2 अदद, मंगलटीका 2, झुमका आदि सोने चांदी के 5 लाख मूल्य के गहने आदि चोरी हो गए। मिली तहरीर पर पुलिस जांच में जुट गई है।

किराएदार ने ताला की चाभी बनवाकर उड़ा दिया जेवरात

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोलाउपनगर के वार्ड संख्या आठ में रहने वाले किराएदार ने मकान मालिक के कमरे में लगे ताले का चाभी बनवाकर जेवरात उड़ा दिया और फरार हो गया। घटना के एक सप्ताह बाद दूसरे किराएदार ने चोरी की घटना की जानकारी दी। जिसके बाद मकान मालिक के होश उड़ गए। पीड़ित ने थाने में तहरीर दे दी है। प्राप्त बिबरण के अनुसार वार्ड नम्बर आठ की निवासनी विमला ने तहरीर में कहा है कि बीते सितंबर माह में मेरे घर रहने के लिए दो किराएदार आए। हम लोगों ने प्रथम तल पर उन दोनों को अलग–अलग कमरा दे दिया। वे लोग अपने परिवार के साथ रहने लगे। बीते दो तीन माह से वे लोग किराया नहीं दे रहे थे। उसके बाद हम लोगों ने उन्हें मकान खाली करने के लिए कहा। उसमें से एक किरायेदार 28 जनवरी को निकल गया जबकि दूसरा उसके अगले दिन 29 जनवरी को मकान छोड़कर चला गया। उसके एक सप्ताह बाद पहले किराएदार ने आकर बताया कि अपने उपर के कमरे में रखा सामान चेक कर लीजिए। दूसरा किराएदार आपके बंद कमरे के ताला की चाभी बनवाकर कीमती सामान उठा ले गया है। जब ताला खोलकर देखा गया तो कमरे के संदूक में रखा हार, पावजेब, कान की झाली, नथिया, दो अंगूठी व बड़ी एलइडी टीवी गायब थी। इस संबंध में थानाध्यक्ष राहुल कुमार सिंह का कहना है कि अभी कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

धूप लेने बाहर निकले अजगर से लोगों में हड़कंप

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला कस्बा के वार्ड संख्या 11 में धूप लेने बाहर निकले अजगर को देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में लोगों ने वन विभाग को सूचना दे दिया लेकिन वह तब तक खिसककर झाड़ी में छिप गया। लोगों ने अजगर को पकड़वाकर सुरक्षित करने की मांग की है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह अजगर सरयू नदी की तलहटी से तीन तार दिन पहले ही आकर छिपा हुआ है। इसे एक दो दिन पहले भी देखा गया है। कुछ लोगों ने उसी दिन इसकी सूचना वन विभाग को देने के लिए कहा था लेकिन कई लोगों ने मना कर दिया। सुबह धूप होने पर अजगर बाहर निकला तो उसे देखकर लोग डर गए। इस संबंध में वनरेंजर ज्ञानेश्वर शुक्ल का कहना है कि उसे जल्दी ही पकड़ लिया जाएगा।

फरार चल रहे आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करमा थाना पुलिस ने हत्या करने का प्रयास

करने के मामले में फरार चल रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को घोरावल क्षेत्राधिकारी के कुशल निर्देशन में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने दल बल के साथ स्थानीय थाने में पंजीकृत मुकदमा से सम्बंधित तीन आरोपी चन्द जीत यादव, पुत्र रंग लाल, अजय यादव पुत्र सुरेंद्र नाथ ,सतीष यादव पुत्र पप्पू यादव निवासी गण सरौली को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाठी, रम्मा को,कुल्हाड़ी भी बरामद कर जेल भेज दिया।

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

संवाददाता

सिधौली,सीतापुर। केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर ने सिधौली विधानसभा प्रत्याशी के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए जीत का मंत्र दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की जड़ है। इसके बिना बिना पार्टी का कोई वजूद नहीं। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं का आवाहन करते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता घर.घर जाकर भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगने का कार्य करें और योगी सरकार की उपलब्धियों को बताएं। उन्होंने कहा भारतीय जनता पार्टी विकास के मुद्दों पर फिर से प्रदेश में भारी बहुमत से सरकार बनाएगी। केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर सिधौली के भाजपा कार्यालय पर भाजपा प्रत्याशी मनीष रावत के समर्थन में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा सिधौली विधानसभा में कई वर्षों से भारतीय जनता का प्रत्याशी नहीं जीता है लेकिन इस बार हमें इस कलंक को मिटाना है और भारी मतों से विरोधी प्रत्याशी को मात दिलानी है। जिसका जिसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता एकजुट हो जाए और अपने प्रत्याशी के लिए आपस के सभी गिले.शिकवे मिटाकर शत प्रतिशत मतदान कराने का संकल्प लें। इस अवसर पर उन्होंने कहा की सपा सरकार ने पिछली सरकारों में केवल कब्रिस्तान की दीवारें बनाने का काम किया है। यदि इस बार भी सरकार बनी तो कब्रिस्तान की दीवारों के साथ साथ कब्रों को भी पक्की करवाने का कार्य समाजवादी पार्टी करेगी। जबकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने गरीबों के लिए पक्के आवास बनवाए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सपा की सरकार ने अपने कार्यकाल में मात्र 18 हजार आवास बनाए। लेकिन बीजेपी सरकार ने सरकार ने पूरे प्रदेश में 45 लाख गरीबों को आवास दिया है। यह बात हमें प्रत्येक जनता तक प्रत्येक मतदाता तक पहुंचाने है कि यदि फ्री में अनाज फ्री में राशन फ्री में आवास मुफ्त में शौचालय यदि चाहिए तो भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को जीता कर विधानसभा में पहुंचाएं। यदि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी जीतता है और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनती है तो केंद्र की योजनाओं को लागू करवाने का काम वह स्वयं करेंगे। सिधौली के विकास को प्राथमिकता देंगे। विधानसभा सिधौली भाजपा प्रत्याशी मनीष रावत, जिला मंत्री सुधीर सिंह, मंडल अध्यक्ष राकेश पांडे, लक्ष्मी शंकर गिरि, सूर्यबक्स सिंह, पुष्कर गुप्ता, अशोक सिंह, शुभम वर्मा, किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष मोर्चा राजेश्वर सिंह, मंडल महामंत्री ओमकार पांडेय, अभिषेक सिंह, रंजित सिंह, जयपाल शर्मा, नवनीत पाण्डे, दिलीप निगम, कार्यालय प्रभारी अमरेन्द्र कुमार, वंदन सिंह, अनुसूचित मोर्चा के मंडल अध्यक्ष किशोरी लाल गौतम सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बसपा प्रत्याशी ने उठाया विकास का मुद्दा

संवाददाता

महोली,सीतापुर। सबका साथ और सबका विकास हमारी पार्टी का नारा है। समता मूलक समाज की स्थापना करना हमारी पार्टी का प्रमुख उद्देश्य है। बड़ागांव रोड पर स्थित सप्त ऋषि भवन के परिसर में स्थित बसपा कार्यालय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी डॉ राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने अपने यह विचार व्यक्त किए। पत्रकारों से विकास के मुद्दे पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा जिले की नौ विधानसभा में महोली सबसे पिछड़े हुए इलाकों में गिना जा रहा है। 145 महोली विधानसभा का सर्वांगीण विकास करना हमारा और हमारी पार्टी का कर्तव्य है। बहुजन समाज पार्टी ने कैडर के नाते मुझे यहां से प्रत्याशी बनाया है। पूर्व की सरकारों द्वारा इस क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार कर कोई भी विकास की नई योजना नहीं लाई गई है। इलाके में सरकारी डिग्री कॉलेज नहीं है चीनी मिल बंद पड़ा है। जबकि यहां किसानों की प्रमुख फसल गन्ने की है। रेलवे स्टेशन जर्जर है बच्चों के खेलने के लिए स्टेडियम नहीं है। महज 1 सप्ताह पहले ही रजिस्ट्री चालू हो पाई है तो फायर बिग्रेड स्टेशन नहीं है। अगर इस विधानसभा के चुनाव में बसपा की सरकार आएगी या बसपा प्रत्याशी के रूप में जनता मुझे जिताएगी तो हमारा आप सब से वादा है कि यहां पर जो भी समस्याएं जनता झेल रही है। वह सभी समाप्त कर विकास की गंगा बहाने का कार्य किया जाएगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए एक नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना कराने का भरसक प्रयास किया जाएगा। इस प्रेस कांफ्रेंस के दौरान एडवोकेट राम जीवन भारती, परिक्रमादीन, सोनू शुक्ला, जसकरण लाल, छत्रपाल राजवंशी, बाबूराम गौतम, रामदत्त राजवंशी सहित तमाम बसपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा विधायक उतरौला ने पूजन अर्चना कर चुनावी क्षेत्रीय कार्यालय का किया शुभारंभ

संवाददाता

बलरामपुर। उतरौला। जनपद बलरामपुर के विधानसभा उतरौला (293) के अन्तर्गत रेहरा बाजार में भाजपा विधायक राम प्रताप वर्मा ने क्षेत्रीय चुनाव कार्यालय का फ़ीता काटकर व पूजा अर्चना कर किया शुभारम्भ। विधानसभा चुनाव सन्निकट है। जिसको लेकर भाजपा पार्टी के विधानसभा उतरौला के विधायक ने चुनाव प्रचार प्रसार को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए विधानसभा में जगह–जगह कार्यालय का स्थापित कर रहे हैं।जिससे चुनाव में किसी पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारियों को चुनाव प्रचार प्रसार में लगे वाहनों के संचालन में किसी प्रकार की कोई असुविधा न उत्तपन्न हो।कार्यालय के शुभारंभ के बाद विधायक ने उपस्थित कार्यकर्ताओं व क्षेत्रीय लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। जब मीडिया द्वारा उनके सरकार व उनके विकास के बारे में जानकारी किया गया तो उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पाँच वर्षों में लगातार गरीबो के लिए अनेक प्रकार के योजनाओं को लागू किया है जो सभी पात्र लोग है उनको इसका सीधा लाभ दिया गया है और मेरे द्वारा लगातार सभी लोगों की जनसमस्याओं का ससमय निस्तारण किया गया है और हमारे विधानसभा में सड़कों का जाल विछाया गया है और अन्य योजनाओं का लाभ दिया गया है और हम सभी अपने क्षेत्र वासियों से अपील करते है कि पुनः एक बार सेवा अवसर प्रदान करे।इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष,हरिवंश सिंह,मनोज श्रीवास्तव जिला मंत्री,विमलेंद्र विक्रम सिंह,शिवबहादुर सिंह,अज्ञाराम वर्मा, विपिन सिंह,तुलसीराम वर्मा,महेश वर्मा, सीताराम वर्मा,अमरनाथ वर्मा,जगतमन उर्फ बम्बा वर्मा,सुनील वर्मा कार्यालय प्रभारी,बबलू उर्फ सुनील वर्मा,राम चन्दर वर्मा,ओमप्रकाश जायसवाल,धर्म प्रकाश चौहान,कुंवर बहादुर वर्मा दिनेश सिंह सेक्टर अध्यक्ष,राजीव यादव, राम बचन वर्मा,अलख राम वर्मा, राम भवन वर्मा, बहरैची गुप्ता,राम कुमार वर्मा, रमेश तिवारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

परसेंडी 45वां श्रीरूद्र महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन दुर्गा धाम राही का शुभारंभ

संवाददाता

परसेण्डी,सीतापुर। 45वां श्रीरूद्र महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन दुर्गा धाम राही का शुभारंभ विशाल शोभायात्रा कलश यात्रा के साथ ग्राम राही से पारा सराय गोरिया झाल तालगांव परसेंडी चांदपुर उमरिया होते हुए यज्ञ स्थल पर आई। तालगांव में बड़ी नहर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरा गया। इस अवसर पर लगभग 5000 धर्मा रूगा अनुरागी ट्रैक्टर ट्राली कार मोटरसाइकिल से शोभायात्रा में शामिल हुई है। यात्रा में ओम प्रकाश शुक्ला ग्राम प्रधान राही, वीरेश मिश्रा पूर्व प्रधान राही, रामचंद्र त्रिवेदी पूर्व प्रधान राही, नेता ग्राम प्रधान पूर्व प्रधान राही, गंगा प्रसाद कोटेदार अरुण शुक्ला, अटल बिहारी बाजपेई, विकास त्रिवेदी, गौरव त्रिवेदी, रवि शंकर त्रिवेदी, मुरारी लाल त्रिवेदी, राम नरेश शर्मा, सुदीप भार्गव, वीरेंद्र शुक्ला, विजय शुक्ला, विनोद मिश्रा, राकेश बाजपेई, मुख्य यजमान किशन शुक्ला, वीरू शुक्ला, जगदंबा प्रसाद शुक्ला, बाबा भयंकर आचार्य जी महाराज यज्ञ आचार्य अर्जुन तिवारी, अयोध्या धाम कमलाकांत त्रिवेदी, ओम शंकर त्रिवेदी, मनोज कुमार त्रिवेदी पत्रकार सरस्वती मिश्रा, सुधाकर शुक्ला, संदीप शुक्ला, संजीव शुक्ला, मधुसूदन बाजपेई, मूलचंद बाजपेई, शिव शंकर लोधी, शिव कुमार बाजपेई, ठाकुर शिव सेवक सिंह, सूरज गुप्ता, मनोज लोधी, हर्षित दीक्षित, आलोक कुमार बाजपेई, आलोक शुक्ला, अंबरीश शुक्ला सहित सभी धर्म अनुरागी उपस्थित रहे।

सूरजमुखी से आएगी किसानों के घर समृद्धि की रोशनी, सरसों के बाद है दूसरा अधिक गुणकारी तेल

संवाददाता

लखनऊ। सरसों के तेल के दाम में आए उछाल से इस बार अकेले लखनऊ में 13 हजार हेक्टेयर सरसों की बुआई की गई है। अन्य वर्षों के मुकाबले पांच हजार हेक्टेयर अधिक बुआई हुई है। सरसों के बाद सूरजमुखी के तेल की अधिक मांग रहती है। किसानों की अथक प्रयास और मेहनत से सरसों की फसल के बहुत अच्छे संकेत हैं वहीं पर ज़ायद में सूरजमुखी की उन्नतशील खेती बहुत लाभकारी होती है। प्रमुख रूप से सूरजमुखी सभी प्रकार की भूमियों में इसकी खेती की जा सकती है।

जिन खेतों में अधिक जल रुकता है वहां पर सूरजमुखी का उत्पादन अधिक होता है। सिंचाई वाली सभी प्रकार की भूमि जिसमे अम्लीय और क्षारीय भूमियों को छोड़कर इसकी सफलतापूर्वक की जा सकती है। उप कृषि निदेशक डा.सीपी श्रीवस्तव ने बताया कि किसान सूरजमुखी की खेती करके अपनी आय दो गुनी कर सकते हैं। सरसों के मुकाबले अधिक दाम मिलता है। इससे किसानों के जीवन में समृद्धि का सकती है। बख्शी का तालाब के चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आचार्य व विशेषज्ञ डा. सत्येंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सरसों को छोड़कर अन्य तेली फसलों की अपेक्षा सूरजमुखी का तेल स्वास्थ्यवर्धक होता है। प्रमुख रूप से इसके तेल में विटामिन बी कांप्लेक्स तथा ओलिक एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। फास्फोरस एवं विटामिन–ई होने से हड्डियों की रक्षा करने के साथ–साथ अच्छा एंटीऑक्सीडेंट भी है। हृदय संबंधी बीमारियों के लिए सूरजमुखी का तेल रामबाण है इसमें पाया जाने वाला होली कैसेट धमनियों को साफ रखकर रक्त को शुद्ध करता है जिससे हृदय की बीमारियां नहीं होती।

बुआई का उत्तम समय

आलू, राई, सरसों, मटर मूली गाजर एवं बैंगन तथा गन्ना के खाली खेतों में सूरजमुखी का अच्छा उत्पादन होता है। फरवरी के दूसरे सप्ताह से बुआई की जा सकती है। प्रमुख रूप से सूरजमुखी की संकुल प्रजातियां माडर्न व सूर्या 70 से 80 दिन पकने का समय लेती हैं। इसमें 34 से 38 प्रतिशत तेल होता है। एक हेक्टेयर में 18 से 20 क्वींटल उपज प्राप्त हो जाती है। शंकर प्रजातियां 90 से 95 दिनों में पक कर तैयार हो जाती हैं और इसमें तेल 42 से 45 प्रतिशत तक होता है। इनका प्रति हेक्टेयर उत्पादन संकुल प्रजातियां से दोगुना होता है। शंकर प्रजातियों में केबीएसएच –एक,एसएच–3322 और बीएसएफ –एक अच्छी मानी जाती है। संकुल एवं शंकर प्रजातियों की बुवाई हर संभव फरवरी के दूसरे सप्ताह में कर देनी चाहिए जिससे फसल मई के अंत तथा जून तक पक्का तैयार हो जाए। देरी करने से बारिश का भय रहता है। समय से सही उर्वरक प्रबंधन करने से सूरजमुखी की फसल अच्छी होती है। इसमें प्रमुख रूप से 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर देना चाहिए। सूरजमुखी की बहुत अच्छी पैदावार के लिए 200 किलोग्राम जिप्सम प्रति हेक्टेयर का प्रयोग बुआई के समय करना चाहिए। बीमारी होने पर इसके लिए 2.5 किलोग्राम ब्यूवेरिया बैसियाना को लगभग 100 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर एक सप्ताह छाया में फैलाने के बाद प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी चढ़ाने की समय प्रयोग करें।

नामांकन के तीसरे दिन 2 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र किया गया दाखिल

संवाददाता

बलरामपुर।विधानसभा सामान्य निर्वाचन– 2022 हेतु नामांकन के तीसरे दिन 2 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया।विधानसभा क्षेत्र बलरामपुर से जगराम पासवान– प्रत्याशी समाजवादी पार्टी तथा विधानसभा क्षेत्र उतरौला से धीरेंद्र प्रताप सिंह–राजनैतिक दल इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किया गया।विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के दृष्टिगत नामांकन के तीसरे दिन कुल 20 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र क्रय किया गया।नामांकन के तीसरे दिन विधानसभा क्षेत्र गैसड़ी हेतु 03 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र क्रय किया गया।नामांकन के तीसरे दिन विधानसभा क्षेत्र तुलसीपुर हेतु 01 प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र क्रय किया गया।

डिवाइडर से टकराई अनियंत्रित बाइक

संवाददाता

सीतापुर। अटरिया थाना के सामने एक बाइक अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की सहायता से घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली पहुंचाया। जानकारी के अनुसार साबित अली पुत्र अज्ञात निवासी भाखामऊ थाना बख्शी का तालाब से अपने ससुराल ग्राम पंचायत बाड़ी थाना सिधौली जा रहा था। तभी नेशनल हाईवे पर अटरिया थाने के सामने अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की सहायता से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली भेजा। जहां पर उसका इलाज जारी है। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है।

मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया

संवाददाता

सीतापुर। मतदाताओं को उनके अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए स्थानीय श्री हनुमत रामेश्वर दयाल इण्टर कालेज बिसवाँ में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया। इसके तहत प्रधानाचार्य जय चंद प्रसाद के नेतृत्व में विद्यालय के छात्रो द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। छात्र मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्लोगन युक्त तख्ती अपने हाथों में लेकर चले। रैली में छात्र सबसे बड़ा दान मतदान, धनबल, जनबल बुद्धि अपार मतदान बिना सब बेकार, बूथ तक जाना है हमने यही ठाना है। भाई बहना मानो मेरा कहना, वोट का अधिकार है हम सबका गहना। करे राष्ट्र का जो उत्थान करें उसी को हम मतदान। सुखी जीवन के रास्ते सामाजिक सरोकार के वास्ते। छोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करें मतदान। घर.घर साक्षरता ले जाएंगे, मतदाता जागरूक बनाएंगे के नारे तख्तियों से दर्शाए। मौके पर विद्यालय के शिक्षक डॉ देवेन्द्र पांडेय, राकेश कुमार, शान्तिदीप श्रीवास्तव, विवेक शुक्ल, गोविंद, खुशीराम वर्मा, दीपेंद्र, कल्पना यादव, विजय पाल यादव सहित तमाम संख्या में छात्र शामिल रहे।

गुरेरा पंचायत के गौआश्रय स्थल बना मजाक, एक भी नहीं पशु

संवाददाता

सीतापुर। ब्लॉक बिसवां क्षेत्र में सरकार के आदेशों की इस कदर धज्जियाँ उड़ाई जा रही है कि बिना पशुओं के गौआश्रय स्थल चल रहे हैं और सरकार को लाखों का चूना लगाकर धन का बन्दरबाट किया जा रहा है। ताजा मामला बिकासखण्ड क्षेत्र के गुरेरा का है। जहां ग्राम प्रधान अर्चना गौतम व ग्राम विकास अधिकारी को गुमराह करते हुए फर्जी तरीके से गौ आश्रय स्थल में पशुओं को दिखाकर धन हड़पना था। जबकि पड़ताल में एक भी पशु नहीं निकला यह तो एक बानगी है। अगर सच्चाई से देखा जाए तो समूचे ब्लॉक क्षेत्र में यह खेल चल रहा है और फर्जी रिपोर्ट बनाकर सरकार को गुमराह किया जा रहा है। जिससे कही न कही चुनाव में सरकार को इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

उत्तर प्रदेश में 18वीं विधानसभा चुनाव से स्थानीय मुद्दे गायब

संवाददाता

लखनऊ। अंतिम परीक्षा की तारीख नजदीक है। प्रदेश में 18वीं विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान 10 फरवरी को होना है। इस बार सात चरणों में मतदान संपन्न होगा। कोविड प्रोटोकाल के तहत अब तक चली चुनाव प्रक्रिया में प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों को सीधे मतदाताओं के बीच पहुंचकर अपनी बात रखने का मौका नहीं मिला है। वचरुअल रैली और प्रेस कांफ्रेंस के सहारे अब तक जो शोर मतदाता के कानों तक पहुंचा है, वह जुबानी ज्यादा है। चुनाव से जनता के असल मुद्दे या फिर कहें कि स्थानीय मुद्दे गायब हैं। इसका एक कारण तो यह है कि प्रत्याशी सीधे मतदाता तक पहुंच नहीं पा रहे तो वह किससे अपने स्थानीय दुखड़े रोए। दूसरे स्थानीय मुद्दों की अनदेखी को कोरोना की ढाल मिल जाने से भी ये फलक तक नहीं पहुंच पा रहे।

10 फरवरी को 11 जिलों की 58 विधानसभा सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया होगी। विडंबना यही है। अभी पहले चरण का मतदान हुआ भी नहीं है कि दूसरे चरण के मतदान वाले क्षेत्रों में भी बड़े नेताओं के फेरे बढ़ गए हैं। पहले चरण के चुनाव वाले क्षेत्रों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर सभी बड़ी पार्टियों के बड़े नेताओं ने पूरी तरह मथ डाला है। यह क्रम जारी है। लेकिन, मतदाताओं के सामने सोचने वाली बात है कि आखिर वे किस आधार पर तय करेंगे कि किस पार्टी के प्रत्याशी को वोट देना है। चुनाव से स्थानीय मुद्दे गायब हों तो यह ऊहापोह लाजिमी है।

पहले चरण के चुनाव वाले जिलों शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा शामिल हैं। हर जिले की अपनी कोई न कोई स्थानीय समस्या है, जिसके निदान का प्राथमिक दायित्व क्षेत्रीय विधायक का ही होता। चाहे वह इसके लिए बजट की व्यवस्था करवाए या सदन में सवाल उठाकर उसके निराकरण का रास्ता तलाशे, करना उसे ही होता है, लेकिन इस चुनाव में सारे नेता या तो राष्ट्रीय समस्या उठा रहे हैं या राज्य स्तरीय मुद्दे जनता के सामने रखकर वोट मांग रहे हैं।

केवल शामली के कैराना से पलायन और मुजफ्फरनगर के दंगे को छोड़ दिया जाए तो कोई भी स्थानीय मुद्दा सामने नहीं आया है। लेकिन इस मुद्दे को भी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मुद्दा बनाकर ही पेश किया जा रहा है। क्या पश्चिम में काली नदी का प्रदूषण राजनीतिक पार्टियों के लिए समस्या नहीं है। लगातार नीचे जा रहा भूजल स्तर समस्या नहीं है। छोटे और मध्यम दर्जे के कारोबारियों की दिक्कतें मुद्दा नहीं हैं।

मेरठ के एक स्कूल के बच्चे स्कूल तक लिंक मार्ग के लिए आंदोलनरत हैं, क्या यह समस्या नहीं है। नजर दौड़ाइए और जनता से जुड़िए तो अनेक मुद्दे नजर आ जाएंगे। लोग इनके बारे में बात करते मिल जाएंगे। इस क्षेत्र से अनेक खेल प्रतिभाएं निकलती हैं। उनके लिए जरूरी साजो–सामान व प्रशिक्षण की व्यवस्था नहीं है। बड़ी संख्या में लोग फौज में जाते हैं, लेकिन उन्हें प्रशिक्षण और अवसरों के लिए भटकना पड़ता है। ऐसे अनेक मुद्दे हैं, जो जमीन पर तो हैं लेकिन प्रत्याशियों और राजनीतिक दलों के एजेंडे से गायब हैं।

हरियाणा के सीमावर्ती तमाम जिलों में हर साल दोनों राज्यों के किसान जमीन पर कब्जे को लेकर आपस में लड़ते हैं, क्या यह समस्या नहीं है। अधिकांश क्षेत्रों में सड़कें जर्जर हो चुकी हैं, आवागमन के साधन नहीं हैं, भावी जनप्रतिनिधियों और नेताओं को यह भी समस्या नहीं लगता। अलग–अलग स्तर के जनप्रतिनिधियों की अलग–अलग भूमिका होती है, लेकिन जनता इस बात को समझ नहीं पा रही है। न ही वोट मांगने आने वालों से वह सवाल कर पा रही है। वह राजनीतिक दलों और नेताओं द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों में ही लोकतंत्र के उत्सव की समिधा खोज रही है। यह जरूरी है कि जनता लोकतंत्र के उत्सव में भाग ले और मतदान अवश्य करे, लेकिन अपने समीप आने वाले प्रत्याशियों और प्रतिनिधियों के सामने स्थानीय समस्याओं को भी जरूर उठाए।

संक्षिप्त समाचार

किसान संघ ने बैठक की

संवाददाता

सीतापुर। भारतीय किसान संघ के प्रांतीय अधिकारी अवधेश शुक्ला व जिलाध्यक्ष अवधेश त्रिपाठी की अगुवाई में सिधौली कस्बे के दीनानाथ सिंह इंटर कालेज में बैठक व समरसता भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान समसामयिक विषयों पर चर्चा व संगठन विस्तार की समीक्षा की गई। सोमवार दोपहर भारतीय किसान संघ द्वारा समरसता भोज व संगठन विस्तार पर एक बैठक की गई। जिसमें हरगांव, रेउसा, एलिया, खैराबाद, कमलापुर, गोंदलामऊ, पहला ब्लाक ईकाइयों के कार्यकर्ता शामिल रहे। जिलाध्यक्ष अवधेश त्रिपाठी ने संबोधित करते हुए किसानों से एमएसपी, गन्ना भुगतान, निराश्रित गो वंश सहित तमाम बिंदुओं पर बातचीत की। इस मौके पर प्रवीन अवस्थी, कमल पांडेय, मुकेश शुक्ला, सोनू शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना, हजारों की चोरी

संवाददाता

सीतापुर। क्षेत्र के मदनापुर गांव में अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया और नगदी सहित हजारों रुपये का समान उठा ले गये। मामले को लेकर पीड़ितों ने सिधौली कोतवाली में तहरीर दी है। जानकारी के रविवार रात रामेश्वर पुत्र श्रीराम निवासी ग्राम मदनापुर मजरा बनियानी अपने परिवार के साथ एक मांगलिक कार्यक्रम में गये हुए थे। देर रात जब वह वापस आये तो मुख्य दरवाजे की कुण्डी सहित सभी कमरों के ताले टूटे मिले। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोर अलमारी में रखे सोने की नथुनी, सोने के 2 माले, चांदी की पाजेब, 6 साड़ी, दो कटटी गेहूं सहित लगभग 50 हजार रुपये का सामान उठा ले गये। इसके बाद चोरों ने पड़ोसी बरातीलाल पुत्र कल्लू प्रजापति के घर में घुसकर एक कीपेड मोबाइल तथा बक्से में रखे 5000 रुपये चुरा ले गये। दोनों घटनाओं को लेकर पीड़ितों ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।

पहला क्षेत्र में आज निकले 19 कोरोना पोजटिव

संवाददाता

सीतापुर। ब्लॉक पहला क्षेत्र में कोरोना संक्रमण का खतरा दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। 4 फरवरी को लिए गए सैम्पल में आज आरटीपीसीआर जांच में 19 कोरोना पॉजिटिव की पुष्टि हुई है। मिली जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहला के अंतर्गत 4 फरवरी को आरटीपीसीआर के सैम्पल लिए गए थे। उन सैम्पलों में 19 लोगों की आज कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। प्रभारी अधीक्षक डॉ राजीव कुमार वर्मा ने बताया कि सभी को दवाई देकर होम आइसोलेट करवा दिया गया है। आस पड़ोस के लोगों के सैम्पल लिए गए है तथा उन्होंने सभी लोगों से एहतियातन सावधान रहने की अपील की है।

अनियंत्रित होकर पलटी बाइक, बाइक सवार जिला अस्पताल रेफर

संवाददाता

सीतापुर। मनवा के निकट एक मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की सहायता से घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली भेजा। जहां से चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। बीती देर रात विनीत कुमार पुत्र मिश्रीलाल निवासी मोहल्ला नरोत्तम नगर दक्षिणी थाना सिधौली लखनऊ की ओर से आ रहा था। तभी मनवा तिराहे के निकट अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस की सहायता से घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां पर चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

एक नजर

नामांकन के तीसरे दिन 11 प्रत्याशियों ने किया पर्चा दाखिल

संवाददाता

देवरिया। विधानसभा चुनाव के नामांकन के तीसरे दिन जनपद के विभिन्न विधान सभाओ से कुल 11 नामांकन पत्र दाखिल हुए, जिसमें से रामपुर कारखाना विधानसभा से 3 तथा भाटपाररानी, देवरिया सदर, बरहज एवं पथरदेवा विधानसभा से 2–2 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके अलावे आज अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रो से उम्मीदवारी के लिए 25 व्यक्तियों द्वारा कुल 44 सेट नामांकन पत्र भी लिए गए, जिसमें सर्वाधिक बरहज विधानसभा से 6 व्यक्तियों ने इतने ही सेट में, सलेमपुर से 5 लोगो द्वारा 15 सेट में, रुद्रपुर से 5 सेट में 4 व्यक्तियों द्वारा व देवरिया विधानसभा से 4 लोगो द्वारा 10 सेट में, पथरदेवा से 3 लोगो ने इतने ही सेट में एवं रामपुर कारखाना सें 2 व्यक्तियों ने 4 सेट में एवं भाटपाररानी विधानसभा से 1 व्यक्ति द्वारा एक सेट सहित कुल 25 व्यक्तियों द्वारा 44 सेट में नामांकन पत्र लिए गए। सदर विधानसभा क्षेत्र से आज दो प्रत्याशी शलभ मणि द्वारा भारतीय जनता पार्टी से 4 सेट में तथा राजू चौहान पुत्र विगन चौहान मोडरेट पार्टी से 1 सेट में अपने पर्चे दाखिल किए। पथरदेवा विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी से सूर्य प्रताप शाही ने दो सेट में एवं भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से प्रत्याशी प्रदीप ने 1 सेट में अपने नामांकन पत्र दाखिल किया। रामपुर कारखाना विधानसभा से 3 प्रत्याशी पुष्पा शाही बहुजन समाज पार्टी से 2 सेट में, फसीहा गजाला लारी समाजवादी पार्टी से 3 सेट में एवं भारतीय जनता पार्टी से सुरेन्द्र चौरसिया 3 सेट में अपना पर्चा दाखिल किया। बरहज विधानसभा से इंडियन नेशनल कांग्रेस से रामजी गिरी 2 सेट में एवं निर्दल प्रत्याशी के रुप में कृष्ण चन्द्र ने 1 सेट में नामांकन पत्र दाखिल किया। भाटपाररानी से सीपीआई से श्रीराम एवं निर्दल प्रत्याशी के रुप में केदारनाथ शर्मा ने 1–1 सेट में अपना पर्चा भरें।

सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण 9 फरवरी को

संवाददाता

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी(कार्मिक/प्रशिक्षण) रवींद्र कुमार ने बताया है कि विधान सभा चुनाव के सेक्टर मजिस्ट्रेट/जोनल मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण 9 फरवरी को विकास भवन के गांधी सभागार में विधान सभा 336– रुद्रपुर, 337–देवरिया, 338– पथरदेवा, 339–रामपुर कारखाना 11 बजे से 1 बजे तक एवं विधानसभा 340–भाटपाररानी, 341–सलेमपुर, 342–बरहज 1 बजे से 3 बजे तक होगा। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया है कि प्रशिक्षण देने हेतु 7 मास्टर ट्रेनर की ड्यूटी लगायी गयी है। मास्टर ट्रेनर बेसिक शिक्षा विभाग के सहायक अध्यापक निशेष कुमार गुप्ता, राघवेन्द्र कुमार, सर्वेश कुमार मल्ल, अभिषेक मिश्रा, सुधांशु शर्मा, राधाकृष्ण शाही तथा नीरज कुमार वर्मा को मास्टर ट्रेनर हेतु नामित किया गया है।

कलक्ट्रेट स्थित ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के कार्यकक्ष में सोशल मीडिया सेल स्थापित

संवाददाता

देवरिया। जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष निरंजन ने बताया है कि विधानसभा को सकुशल शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराये जाने एवं जन संचार माध्यमों के विज्ञापनो, शिकायतों, पेड न्यूज के निगरानी हेतु कलक्ट्रेट स्थित ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर के कार्यकक्ष में सोशल मीडिया अनुवीक्षण सेल स्थापित किया गया है।

3 मार्च को वाणिज्य एवं अधिष्ठान/दुकान रहेगें बन्द

संवाददाता

देवरिया। जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष निरंजन ने बताया है कि जनपद में षष्टम चरण का मतदान 3 मार्च को होना है। जनपद में स्थित दुकान और वाणिज्य अधिष्ठानो के स्वामियों से उन्होने अपेक्षा किया कि यदि उनके क्षेत्र में बन्दी का दिन नही है तो वे अपना साप्ताहिक बन्दी मानकर प्रतिष्ठान को बन्द रखेगे तथा अगले साप्ताहिक अवकाश के दिन उनसे कार्य नही लिया जायेगा।

312 विधानसभा क्षेत्र मेहदावल से भाजपा समर्थित निषाद पार्टी के अनिल त्रिपाठी ने किया नामांकन

संवाददाता

देवरिया। 312 विधानसभा क्षेत्र मेहदावल के भाजपा समर्थित निषाद पार्टी की तरफ से अनिल कुमार त्रिपाठी द्वारा द्वारा उप जिला निर्वाचन अधिकारी संत कबीर नगर के कार्यालय में पहुंचकर अपना अपना नामांकन पत्र दाखिल किया गया,।

तत्पश्चात श्री त्रिपाठी ने कहा मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए हमें भारी मतों से विजयी बनाना होगा, तभी मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र का चौमुखी विकास संभव है, आप को बता दें कि श्री त्रिपाठी 2012 में पीस पार्टी से इसी विधानसभा से चुनाव लड़े थे लेकिन हार गए,पुनः 2017 में बसपा के टिकट पर चुनाव लड़े लेकिन इस बार भी मुंह की खानी पड़ी ,अब फिर इसबार भाजपा निषाद गठबंधन से निषाद पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, अब जनता का मूड देखना है कि तीसरी बार तीसरी पार्टी से चुनाव लड़ने वाले अनिल कुमार त्रिपाठी को कितना समर्थन करती है,

एसपी, एडीएम व एएसपी ने नामांकन प्रक्रिया एवं कानून व्यवस्था का किया निरीक्षण

संवाददाता

संत कबीर नगर। जनपद में विधान सभा सामान्य निर्वाचन 2022 हेतु नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन कुल 03 उम्मीदवार ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया तथा 25 लोगो ने नामांकन पत्र लिया। 313–विधानसभा खलीलाबाद से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार अंकुर राज तिवारी, 312–विधानसभा मेंहदावल से भारतीय जनता पार्टी एवं निषाद राज पार्टी के संयुक्त उम्मीदवार अनिल त्रिपाठी एवं बहुजन समाज पार्टी समर्थित प्रत्याशी ताबीश खॉन ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के तीसरें दिन 312–मेंहदावल विधानसभा हेतु सुरेन्द्र मोहन समाजवादी पार्टी, रफीका खातून भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस, चन्द्रशेखर सिंह समाजवादी पार्टी, सतीश कुमार साहनी कॉग्रेस, उदयराज बहुजन मुक्ति पार्टी, शक्ति प्रसाद हिन्दू समाज पार्टी तथा सद्दाम हुसैन, शंकर प्रसाद ने निर्दल के रुप में कुल 10 प्रतियों में नामांकन पत्र लिया, 313–खलीलाबबाद विधानसभा हेतु इफ्तिखार अहमद समाजवादी पार्टी, गिरजेश यादव समाजवादी पार्टी, परमात्मा प्रसाद कसौधन भारतीय किसान यूनियन समाज पार्टी, गोपीचन्द्र, सुरेश कुमार मौर्य, मुन्नीलाल, अब्दुल्लाह, विपिन यादव ने निर्दल प्रत्याशी के रुप में पर्चे लिये।

चुनाव पूर्व प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम का जिलाधिकारी द्वारा किया गया निरीक्षण

सभी कार्मिकों को बुस्टर डोज लगाने के दिये गए निर्देश

संवाददाता

मऊ। विधान सभा सामान्य निर्वाचन–2022 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पीठासीन अधिकारियो एवं मतदान अधिकारी प्रथम का प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को जनपद मुख्यालय स्थित लिटिल फ्लावर स्कूल में प्रारम्भ हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण स्थल पर स्थित वैक्सिनेशन सेण्टर एवं सैम्पलिंग सेण्टर पर उपस्थित वैक्सिनेशन एवं सैम्पलिंग टीम से वैक्सिनेशन एवं सैम्पलिंग की जानकारी ली गयी। साथ ही प्रशिक्षण प्रभारी को निर्देश दिये कि सर्दी, जुखाम, खासी, बुखार आदि लक्षणयुक्त सभी प्रशिक्षणार्थियो की सैम्पलिंग अवश्य करायें। जिन चुनाव कर्मिकों को द्वितीय डोज एवं बुस्टर डोज अभी तक नही लगा है उनको द्वितीय डोज एवं बुस्टर डोज अवश्य लगवा दे। प्रशिक्षण कक्षों के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रत्येक प्रशिक्षण कक्ष में जाकर प्रशिक्षणार्थियो से संवाद किया एवं प्रशिक्षण से सम्बन्धित जानकारियो को साझा किया। उन्होने सभी मास्टर ट्रेनर को निर्देश दिये कि प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को डेमो दिखाकर ही प्रशिक्षण कार्य पूर्ण करे। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण से सम्बन्धित सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओ की एक बुकलेट सभी प्रशिक्षणार्थियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होने प्रशिक्षण ले रहे सभी कार्मिको से कहा कि चुनाव हेतु प्रस्थान से पूर्व ई0वी0एम0 मशीनों को जॉच परख लें, मशीन खराब होने की स्थिति में सम्बन्धित सेक्टर मजिस्ट्रेट को सूचित करें, ताकि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की समस्या न हो। निरीक्षण के दौरान कक्ष संख्या 12 में प्रशिक्षणार्थियों की कम उपस्थिति होने पर, उपस्थिति पंजिका मंगाकर उपस्थिति जॉच करने के निर्देश दिये साथ ही अनुपस्थित पाये जाने वाले प्रशिक्षणार्थियो के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान आशुतोष बहादुर सिंह प्रधानाध्यापक जमुनीपुर दोहरीघाट द्वारा प्रशिक्षण में रूची न लेने एवं प्रशिक्षण से संबंधित किसी भी सवाल का संतोषजनक उत्तर न देने पर जिलाधिकारी द्वारा इनको निलम्बित करने के निर्देश दिये गए। इस अवसर पर मुख्य विकास राम सिंह वर्मा, जिला विकास अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसा : रोडवेज बस ने स्कार्पियो को मारी टक्कर,तीन की मौत

संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के गगहा के हाटा बाजार में आज सोमवार सुबह बरातियों से भरी एक स्कार्पियो को बड़हलगंज की तरफ से आ रही एक रोडवेज बस ने टक्कर मार दिया। इससे तीन बारातियों की मौत हो गई। मृतकों में दूल्हे के बड़े पिता राम नारायण साहनी भी शामिल हैं। वह करीब 50 वर्ष के थे। स्कार्पियों वह खुद चलाकर जा रहे थे। घायलों में तीन की स्थिति गंभीर है। उनका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बड़हलगंज के पोहिला से कैंट थाने के नंदानगर में लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी रामबेलास के घर रविवार रात बरात आई हुई थी। सोमवार की सुबह दूल्हे के बड़े पिता राम नारायण आधा दर्जन से अधिक बरातियों को लेकर गांव पोहिला जा रहे थे। वह अभी गगहा के हाटा बाजार स्थित फ्लाईओवर के पास पहुंचे थे कि बड़हलगंज की तरफ से आ रही एक जनरथ बस ने स्कार्पियों को टक्कर मार दी। इससे स्कार्पियो सवार सभी बाराती घायल हो गए।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गगहा लेकर गई। वहां चिकित्सकों ने राम नारायण, नाई विष्णु शर्मा को मृत घोषित कर दिया। शेष घायलों की स्थिति गंभीर देख उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाने के लिए रेफर कर दिया। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। वहां चिकित्सकों ने एक और घायल को मृत घोषित कर दिया। संतोष मौर्या, भोला सहित तीन घायलों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की जानकारी पाकर घायलों व दूल्हन के घर वाले भी जिला अस्पताल पहुंच गए। प्रभारी निरीक्षक गगहा जयंत सिंह का कहना है कि सुबह के समय घना कोहरा था। संभव है कि स्पष्ट न दिखने के कारण दुर्घटना हुई हो। फिलहाल दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है।

वाहन दुर्घटना के बाद पुलिस ने रोडवेज की बस व स्कार्पियों को अपने कब्जे में ले लिया। सभी घायलों को दूसरी बस से गोरखपुर भेजा गया।

भारतीय जनता पार्टी के खलीलाबाद सदर से प्रत्याशी अंकुर राज तिवारी ने किया नामांकन

संवाददाता

संत कबीर नगर। सामान्य विधानसभा निर्वाचन 313 खलीलाबाद विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अंकुर राज तिवारी द्वारा नामांकन किया गया आपको बता दें कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भाजपा प्रत्याशी श्री तिवारी बरदहिया बाजार से सभा को संबोधित करने के बाद माता समय महारानी के दर्शनोउपरांत भाजपा प्रत्याशी अंकुर राज तिवारी द्वारा जिला अधिकारी कार्यालय पहुंच कर उप जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद श्री तिवारी द्वारा विधानसभा क्षेत्र खलीलाबाद के समस्त मतदाता बंधुओं से इस अनुरोध करते हुए कहा आप सभी जनमानस का भरपूर सहयोग मिला तो क्षेत्र मे चौमुखी विकास करूंगा ।एक बार मुझे सेवा का अवसर दें मैं सबका साथ सबका विश्वास को लेकर विधानसभा खलीलाबाद क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अपने दायित्व और कर्तव्यों का निर्वहन करता रहूंगा । अब देखना ये है कि हमेशा से नेताओ के वादों पर जनता वोट कर रही थी लेकिन लगभग सभी पूर्व में विधायक और सांसदों ने जिले और विधानसभा क्षेत्रो के विकास के लिए कोई कदम नहीं उठाया न ही जिले की सड़कें दुरुस्त हुई और न ही शहर में परेशानियों का सबब बनने वाले जलजमाव से निजात मिल पाई है ,जिले की एक बड़ी समस्या रोडवेज का न बन पाना इन नेताओं के सामने सवालिया निशान खड़े कर देता है । आखिर जब नेता मतदाताओं से वोट मांगने जाता है तो तमाम झूठे वादों के पुलिंदे और विकास के सपने दिखाता है । और ये मतदाता हर बार इनके झूठे वादों के जाल में फंसकर वोट कर तो देता है, फिर पांच वर्ष पछतावा के अलावा इन्हें कुछ नहीं मिलता । लेकिन इस बारे में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अंकुर राज तिवारी का साफ कहना है कि मैं मन से वचन से कर्म से मानवीय मूल्यों का निर्वहन करते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करता रहूंगा और क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील रहूंगा

नगर पंचायत और नगरवासियों में गेट निर्माण को लेकर हुआ विरोध

संवाददाता

मऊ। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के महतवाना मुहल्ला में मस्जिद से लेकर डॉक्टर जिआउल्लाखान के घर तक लगभग पन्द्रह बर्षो से नाली और रास्ता निर्माण कार्य करवाने के लिए लोगों ने जिला पंचायत सदस्य रामप्रताप यादव को दिया जिसकी सुधी लेते हुए रामप्रताप यादव ने लगभग तेरह वर्ष पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने आर सीसी रोड़ आजमगढ़ गाजीपुर मुख्य मार्ग से एकलाख के घर तक का शिलान्यास किया गया था। जबकि वह आरसीसी रोड का निर्माण कार्य सौ मीटर के स्थान पर मस्जिद तक ही किया गया था। जिसके बाद 2017 में नगर पंचायत का गठन हो गया। जिससे बाद आजतक महतवाना मुहल्ला के वार्ड न० 11 के सभासद से नाली और रास्ता निर्माण के बारे में कई बार स्थानीय लोगों ने कहा जिसके बारे में सभासद को प्रस्ताव नाली और रास्ता निर्माण के संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष और ईओ को दिया गया है। नाली और रास्ता बनाने के लिए नापी भी नगर पंचायत द्वारा कई बार किया गया है यह सभी बातें स्थानीय लोगों ने बताया आजतक नाली और रास्ता निर्माण कार्य नहीं किया।नगर पंचायत द्वारा सोमवार को सुबह 9 बजें गेट का निर्माण कार्य हेतु गड्ढा खोदने पर जब स्थानीय नगर वासियों विरोध प्रदर्शन किया उसके बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया है। विरोध प्रदर्शन करने ई ओ मनोज कुमार से मोबाइल

वाले, स्थानीय नगर वासी जुबेर खान, डॉ0 लल्लन खान, आमिर खान, जावेद खान, आफताब खान, मोबिन, एकलाख, हसीन, हसनैन खान, ताहाखान, गुड्डू खान, मन्ना राजाराम, राम आधार आदि काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। जिसके संबंध में नगर पंचायत पर संपर्क करके बात करने पर उन्होंने ने बताया कि महतवाना मुहल्ला में नाली और रास्ता निर्माण कार्य नगर पंचायत द्वारा पास हो चुका है जिसका टेंडर प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है और आचार संहिता लगने के कारण कार्य रुक गया है।

तहसीलदार मजिस्ट्रेट की लापरवाही पर मृतका के परिजनों का फूटा आक्रोश,रोड जाम

कागजातों में हस्ताक्षर और नाम गलत लिखने का स्वजनों ने लगाया आरोप

संवाददाता

कानपुर। नवाबगंज में विवाहिता की हुई मौत के मामले में मृतका नीति दुबे के पोस्टमार्टम में हुई करीब पांच घंटों की देरी पर मायके पक्ष का आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित स्वजनों ने पोस्टमार्टम हाउस के बाहर रोड जाम कर दी। जिसके कुछ देर बाद स्वरुप नगर थाना प्रभारी अजय कुमार के समझाने पर जाम खुल सका। वहीं मृतका के रतनपुर पनकी निवासी भाई संदीप शुक्ला ने बताया कि,मृतका के शव का पोस्टमार्टम के लिए उर्सला अस्पताल के दो डॉक्टरों,डॉ मुन्नालाल विश्वकर्मा और डॉ जीएन द्विवेदी का पैनल गठित किया गया था। मृतका के भाई का आरोप है कि,सोमवार को तहसीलदार मजिस्ट्रेट की लापरवाही से पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू होने में कई घंटे की देरी हुई। बताया कि,कागजातों में मजिस्ट्रेट रतीश सिंह ने उनकी बहन का नाम गलत दर्शाया था साथ कागजातों में अपने हस्ताक्षर भी नहीं किये। जिसके चलते नवाबगंज पुलिस ने तहसील जाकर कागजातों को सही कराया जिसके कारण शाम को उनकी बहन के शव का पोस्टमार्टम हो सका। शाम को भैरों घाट पर मृतका का अंतिम संस्कार किया गया।

दहेज को लेकर ससुरालीजनों पर प्रताड़ित करने का आरोप पनकी रतनपुर निवासी राधाकृष्ण शुक्ला ने अपनी बेटी नीति (32) की शादी पिछले साल 22 अप्रैल नवाबगंज उजियारी देवी मंदिर के पास रहने वाले कोचिंग संचालक अक्षत दुबे से की थी। परिजनों का आरोप है कि पति व ससुरालीजन आए दिन दहेज को लेकर नीति को प्रताड़ित करते रहते थे। हालांकि परिजन उल्टा नीति को समझाते रहे। भाई संदीप और विकास ने बताया कि रविवार शाम ससुरालीजनों ने जानकारी दी कि नीति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। जब वह घर पहुंचे तो उसका शव फंदे पर लटकता मिला और पैर बेड में छू रहे थे। भाई संदीप ने बताया कि,बहन की शादी के बाद से ससुरालीजन कार की मांग कर रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल कर साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। नवाबगंज इंस्पेक्टर आशीष कुमार द्विवेदी ने बताया कि, मृतका के पिता ने पति,सास, ससुर रवीद्र और ताऊ व ताई व बुआ मंजू शुक्ला के खिलाफ तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं दो डॉक्टरों के पैनल ने महिला के शव का पोस्टमार्टम किया। इस दौरान वीडियोग्राफी भी कराई गई। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका जिसके चलते बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

मेडिकल छात्रों की बस को बैराज पर रोका : चौलेंज मूल्यांकन परिणाम में अधिकतर छात्र फेल

संवाददाता

कानपुर। चौलेंज मूल्यांकन का परिणाम घोषित होने के बाद छत्रपति शाहू जी महाराज विवि से संबद्ध जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज,सरस्वती मेडिकल कॉलेज,उन्नाव सहित अन्य मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के 370 छात्रों में से सिर्फ 8 छात्रों को ही पास किया। इस पर अपनी नाराजगी ज़ाहिर करने उन्नाओ, लखनऊ और अन्य जिलों से कानपुर यूनिवर्सिटी आ रहे छात्रों की चार बसों को गंगा बैराज पर पुलिस ने रोक लिया। छात्रों ने आरोप लगाया कि शुक्रवार को जब हम लोगों का एक प्रतिनिधि मंडल वीसी से मिलने पंहुचा था तो उन्होंने पहले तो हमने पांच घंटे इंतजार कराया लेकिन बाद में वहां से हमको बैरंग लौटा दिया और सोमवार को जब हम लोग एक बार फिर मिलने आये है तो हमको गंगा बैराज पर ही रोक दिया। गंगा बैराज पर पुलिस को थी पहले से सूचना बस के साथ आ रहे एक मेडिकल छात्र दीक्षांत ने बताया, हम लोगों की बस जैसे ही बैराज पर पहुंची तो वहां पहले से ही 30 से 35 पुलिस वाले खड़े थे। उन्होंने हमारी चारों बसों कानपुर के अंदर जाने से मन कर दिया और कहा की वापस लौट जाओ नहीं तो परिणाम बुरे होंगे। कोहना थाना इंचार्ज पुलिस इंस्पेक्टर रजनेश तिवारी से बात की तो उन्होंने बताया, हम लोगों ने नहीं उन चारों बसों को उन्नाव पुलिस ने रोका है। फिर फेल कर दिया छात्रों को छत्रपति शाहू जी महाराज विवि से संबद्ध जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, सरस्वती मेडिकल कॉलेज, उन्नाव सहित अन्य मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के छात्रों ने चौलेंज

शत प्रतिशत मतदान के लिये भारत उदय ने तेज किया सम्पर्क अभियान

संवाददाता

बस्ती। सामाजिक संस्था भारत उदय द्वारा विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढाने हेतु जनपद के सभी 5 विधानसभा क्षेत्रों बस्ती सदर, हर्रैया, कप्तानगंज, महादेवा, रूधौली में लगातार सम्पर्क किया जा रहा है। संस्था के कार्यकर्ता मतदाताओं से आग्रह कर रहे हैं कि पहले मतदान फिर जलपान करें और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का अवश्य प्रयोग करें।

भारत उदय के अध्यक्ष पंकज यादव ने बताया कि पांच विधानसभा क्षेत्रों में कुल 40 टीमें मतदाता जागरूकता के लिये लोगों के घर–घर जाकर संवाद बना रही है। बताया कि संगीता, मो. असरफ, सुरेन्द्र यादव, माया देवी, धर्मेन्द्र कुमार, सौरभ प्रजापति, शानू गुप्ता, सुनीता देवी, शीला, बीना कुमारी, गुडिया, सोनी, कंचन, शीतल, अनीता आदि के द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है कि वे आगामी 3 मार्च को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

समाजवादी शिक्षक सभा जिला उपाध्यक्ष बने वहीदुद्दीन मालिक

संवाददाता

बस्ती। खैर इण्टर कालेज के पूर्व प्रधाचार्य रासायन विभाग के प्रवक्ता वहीदुद्दीन मालिक को शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष डॉ फूल देव ने समाजवादी शिक्षक सभा का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। वहीदुद्दीन मालिक को समाजवादी शिक्षक सभा का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर सपा यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ,जिला अध्यक्ष महेंद्र नाथ यादव अयाज अहमद, रफी अहमद, यूनुस आलम ,जावेद पिंडारी, मो स्वाले, प्रदेश सचिव सयुस इंजीनियर शैलेश चौधरी, विवेक शुक्ला अमिश खान ,मो शाद ,आसिफ खान कैश मोहम्मद घनश्याम यादव हाफिज शहादत महबूब आलम, , यूथ ब्रिगेड प्रदेश सचिव आमिर खान, पूर्व सभासद जावेद अहमद, मो0 जावेद, भोला पाण्डेय, पिंटू, विवेक शुक्ला, सत्यवान सिंह, परवेज अख्तर, तबरेज अंसारी, जितेंद्र यादव, रहमान सिद्दीकी , छात्र नेता, अशोक सिंह, जीशान मलिक, अनुज चौधरी, सुरेश यादव, यशवंत चौधरी, मुस्ताक खान, मोनू, सलमान खान, संतोष बाबा, सुशील, विकास पाण्डेय, पंकज, विवेक त्रिपाठी, आशीष पाठक, राना सिंह, नितेश श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

दो प्रत्याशियों ने किया नामांकन, 16 पर्चे खरीदे गए

संवाददाता

महराजगंज। छठवें चरण के नामांकन में जनपद में तीसरे कार्यदिवस में सोमवार को कुल 16 नामांकन पर्चे लिए गए और दो लोगों द्वारा नामांकन दाखिल किया गया।

पनियरा से कांग्रेस के प्रत्याशी शारदेन्दु पांडेय व निर्दल प्रत्याशी छेदी द्वारा नामांकन पर्चा दाखिल किया गया।

पर्चा प्राप्त करने वालों में पनियरा से निर्दल प्रत्याशी उपेंद्र राजा, शत्रुधन, मौसमी आजम व सुरेश चंद शामिल रहे। नौतनवां से एजाज व रामकान्ति त्रिपाठी ने पर्चा प्राप्त किया। महराजगंज सदर से गीता रत्ना व जितेंद्र कुमार ने नामांकन पर्चा प्राप्त किया। सिसवां से पाँच प्रत्यशियों ने पर्चा लिया।

कांग्रेस प्रत्याशी शरदेंदु पाडेय ने दाखिल किया नामांकन

महराजगंज। पनियरा विधान सभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी शरदेंदु कुमार पांडेय ने पार्टी के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के साथ पहुँच कर सोमवार को नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि पनियरा क्षेत्र में इस चुनाव में कांग्रेस के प्रति मतदाताओं में काफी लगाव दिखाई पड़ रहा है।

विश्वासम की हिन्दी रीमेक के ऑफर को अजय और अक्षय ने ठुकराया

एजेंसी

मुबई। मनीष शाह एक भारतीय फिल्म प्रोड्यूसर और गोल्डमाइंस टेलीफिल्म्स के मालिक हैं। गोल्डमाइंस टेलीफिल्म्स के सौजन्य से वह कई साउथ फिल्मों को हिन्दी में डब कर चुके हैं। ऐसी चर्चा है कि उन्होंने तमिल फिल्म विश्वासम की हिन्दी रीमेक के राइट्स खरीद लिए हैं। सुनने में आ रहा है कि उन्होंने इस फिल्म के लिए अजय देवगन और अक्षय कुमार को अप्रोच किया था। हालांकि, दोनों ही कलाकारों ने इस ऑफर को ठुकरा दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, अजय और अक्षय ने तमिल फिल्म विश्वासम की हिन्दी रीमेक के ऑफर को रिजेक्ट कर दिया है। एक सूत्र ने बताया, मनीष सालों से टीवी और अपने यूट्यूब चौनल पर डब फिल्में रिलीज कर रहे हैं और सफल भी हुए हैं। अब वह हिन्दी फिल्मों का निर्माण करना चाहते हैं। उन्होंने साउथ अभिनेता अजित कुमार की 2019 में आई फिल्म विश्वासम की रीमेक के अधिकार खरीदे हैं।

एक सूत्र की मानें तो मनीष ने चार करोड़ रुपये में फिल्म की हिन्दी रीमेक के अधिकार हासिल किए हैं। अभी तक इस फिल्म के प्रोजेक्ट पर काम शुरू नहीं हो पाया है। सूत्र ने कहा, मनीष ने ऑरिजनल फिल्म में अजित द्वारा निभाई गई भूमिका को फिर से पर्दे पर उतारने के लिए अजय को अप्रोच किया था। हालांकि, उन्होंने यह ऑफर ठुकरा दिया। अक्षय ने भी फिल्म के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। खबरों की मानें तो अक्षय और अजय दोनों को लगा कि यह फिल्म हिन्दी दर्शकों की भावनाओं के अनुकूल नहीं होगी। बालाजी टेलीफिल्म्स को भी इस प्रोजेक्ट में शामिल होने का ऑफर दिया गया था। इस फिल्म को को–प्रोड्यूस करने के लिए बालाजी टेलीफिल्म्स को अप्रोच किया गया था। ऐसी चर्चा है कोई भी बड़े अभिनेता ने इस फिल्म के लिए अपनी हामी नहीं भरी। यही वजह है कि बालाजी टेलीफिल्म्स ने अपने पांव पीछे खींच लिए।

रिपोर्ट की मानें तो अप्रैल, 2019 में अभिनेता शाहरुख खान को ऑरिजनल फिल्म विश्वासम के निर्देशक शिवा ने अप्रोच किया था। हालांकि, किसी वजह से बात नहीं बन पाई और शाहरुख ने भी इस प्रोजेक्ट को रिजेक्ट कर दिया था।

विश्वासम का निर्देशन शिवा ने किया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस 200 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म का कुल बजट करीब 100 करोड़ रुपये था। फिल्म में अजित के अलावा जगपति बाबू और नयनतारा को भी देखा गया है। फिल्म 10 जनवरी, 2019 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक गांव के बदमाश की कहानी है जिसकी जिंदगी में तब मोड़ आता है, जब वह कई सालों बाद अपनी बिछड़ी हुई पत्नी से मिलता है।

अजय स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मैदान में दिखेंगे। इसमें वह एक फुटबॉल कोच की भूमिका निभाएंगे।उन्हें आरआरआर में भी देखा जा सकता है। वह गंगूबाई काठियावाड़ी और रेड 2 में भी नजर आएंगे। अक्षय फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य भूमिका में हैं। उन्हें फिल्म राम सेतु में जैकलीन फर्नांडिस व नुसरत भरूचा के साथ देखा जाएगा।

वह फिल्म रक्षाबंधन में भी दिखने वाले हैं। फिल्म ओह माय गॉड 2 भी अक्षय के खाते से जुड़ी है।

म्यूजिक थेरेपी : संगीत में झूमकर भी स्वास्थ्य को मिल सकते हैं कई फायदे

एजेंसी

मुबई। म्यूजिक यानी संगीत, जो हमारी जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि म्यूजिक एक थेरेपी की तरह काम करके कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देने में मदद कर सकता है। जी हां, म्यूजिक की मदद से कई तरह के मानसिक विकारों से राहत दिलाने से लेकर शारीरिक विकास बेहतर तरीके से हो सकता है। आइए आज हम आपको विस्तार से बताते हैं कि म्यूजिक थेरेपी से क्या–क्या फायदे मिल सकते हैं। म्यूजिक से मिलने वाले शारीरिक लाभ

अगर आप रोजाना कुछ मिनट ही लाइट म्यूजिक सुनते हैं तो इससे हृदय के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। इसके अतिरिक्त, यह श्वसन में सुधार करने, रक्तचाप को नियंत्रित करने और मांसपेशियों को आराम देने में भी मदद कर सकता है। इसके साथ ही सिरदर्द से राहत दिलाने में भी म्यूजिक थेरेपी मदद कर सकती है क्योंकि इसका उद्देश्य दर्द से ध्यान हटाना है और उसे दूर करना है।

म्यूजिक से मिलने वाले मानसिक लाभ

अल्जाइमर रोगियों के इलाज के लिए भी म्यूजिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है क्योंकि इसका दिमाग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और अल्जाइमर एक मानसिक रोग है। इसके अतिरिक्त, यह चिंता, बेचैनी और तनाव जैसे मानसिक विकारों से छुटकारा दिलाने में भी कारगर है। इसके साथ ही व्यक्ति को आराम पहुंचाने और मन को खुश रखने में भी म्यूजिक थेरेपी काफी मदद कर सकती है। हालांकि, इन सभी लाभों के लिए गाने का सही चयन होना महत्वपूर्ण है। ये फायदे भी प्रदान करता है म्यूजिक शारीरिक और मानसिक लाभ के साथ–साथ म्यूजिक थेरेपी में आध्यात्मिक अनुभवों को बढ़ाने की शक्ति है और इससे अन्य लोगों से जुड़ने में मदद मिलती है। इसके अतिरिक्त, यह खुद पर नियंत्रण की भावना पैदा करने में मदद करती है ।

तेजस्वी प्रकाश अभिनती नागिन 6 को 130 करोड़ रुपये के बजट में बनाएंगी

एकता कपूर

एजेंसी

मुबई। बिग बॉस 15 की ट्रॉफी जीतने के बाद तेजस्वी प्रकाश के सितारे बुलंदियों पर हैं। हर तरफ उनकी चर्चा हो रही है और उन्हें बधाइयां भी मिल रही हैं। बिग बॉस 15 के फिनाले में ही उनके फैंस को दोहरी खुली मिली, जब नागिन 6 में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तेजस्वी के नाम की घोषणा हुई। अब ऐसी चर्चा है कि एकता कपूर इस सीरियल को 130 करोड़ रुपये के बजट में बनाएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, तेजस्वी अभिनती नागिन 6 को फिल्ममेकर एकता 130 करोड़ रुपये के भारी–भरकम बजट में बनाएंगी। एक सूत्र ने कहा, यह नागिन का सबसे महंगा सीजन है। अगर यह शो नहीं चला, तो एकता अगले साल से इस फ्रेंचाइजी को बंद कर सकती हैं। वह इसे 130 करोड़ रुपये के बजट में बना रही हैं। तेजस्वी और सिम्बा नागपाल पर बहुत दबाव है, क्योंकि शो का बजट काफी ज्यादा है।

एक सूत्र ने बताया कि कुछ लोगों ने एकता से कहा कि वह इतनी रकम से फिल्म बना सकती थीं। खबरों की मानें तो इस प्रोजेक्ट में निवेश करके एकता अपना किस्मत आजमाना चाहती हैं। इस शो का बजट टेलीविजन इंडस्ट्री के किसी भी अन्य शो की तुलना में बहुत बड़ा है। अगर शो नहीं चलता है, तो इससे मेकर्स को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। मेकर्स तेजस्वी की लोकप्रियता को जरूर भुनाने की कोशिश करेंगे।

नागिन 6 की शुरुआत बसंत पंचमी स्पेशल से होगी। साथ ही इस सीजन का थीम देश पर जैविक युद्ध छेडने वाले पड़ोसी देश के बारे में है। बिग बॉस 15 के फिनाले में ही मेकर्स ने इस शो का प्रोमो जारी किया था। प्रोमो में तेजस्वी का लुक काफी हॉट लगा था। इस शो का प्रसारण कलर्स टीवी पर 12 फरवरी से रात 8 बजे शुरू होगा। इसका प्रसारण शनिवार और रविवार रात 8 बजे होगा।

तेजस्वी पहले भी कलर्स के कई शोज में नजर आ चुकी हैं। उन्हें संस्काररू धरोहर अपनों की और स्वरागिनी जैसे कलर्स के शोज में देखा गया है।

टीवी की दुनिया में नागिन एक अलग प्रकार की कहानी लेकर आया है। यह शो इतना लोकप्रिय हुआ कि अब तक इसके पांच सीजन आ चुके हैं। घर, गृहस्थी, कॉमेडी और लव स्टोरी के बाद एकता एक अलग ही स्टोरी सामने लेकर आईं और दर्शकों को उनका यह प्रयोग अच्छा लगा। नागिन के पहले सीजन में मौनी रॉय ने अहम भूमिका निभाई थी। प्रेम, दुश्मनी और बदले की कहानी के साथ नागिन 5 ने भी दर्शकों को प्रभावित किया था।

सफल निर्माता होने के साथ–साथ एकता एक ओटीटी प्लेटफार्म की मालिक हैं। एएलटी बालाजी पर उन्होंने हर तरह के दर्शकों के लिए कंटेंट बनाया है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी, कहानी घर घर की और कसौटी जिंदगी की जैसे सीरियल उन्होंने ही बनाए हैं।

कियारा आडवाणी ने ग्रे बैकलेस ड्रेस में ढाया कहर

एजेंसी

मुबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने भले ही कबीर सिंह, शेरशाह जैसी मूवी में एक बहुत ही सिंपल किरदार भी अदा किया हो लेकिन रियल लाइफ में वह बहुत बोल्ड हैं। कियारा आडवाणी की फैशन सेंस का कोई उत्तर नहीं हैं। वह अक्सर अपनी फोटोज के कारण से चर्चाओं में बनी रहती है। अभिनेत्री जो भी लुक कैरी करती हुई नजर आ रही हैं, उसमें बहुत कमाल लगती हैं। हाल ही में कियारा का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उनका अब तक का सबसे बोल्ड अंदाज देखने के लिए मिल रहा है।

वीडियो में वह स्लिवर कलर की डिजाइनर बैकलैस ड्रेस में नजर आ रही है। वह इस आउटफिट में अपनी सिजलिंग और शायनी बॉडी को फ्लॉन्ट करती हुई दिखाई दे रही है। उन्होंने रेड कलर की प्रिंटेड हील्स को ड्रेस के साथ मैच कर रखा है। कियारा कैमरा की तरफ देखकर पोज भी दे रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार कुछ ही घंटे में ही कियारा की यह वीडियो वायरल हो चुकी है और इसे 1.5 लाख से अधिक यूजर्स ने लाइक किया है। फैंस ही नहीं स्टार्स भी कियारा के इल वीडियो पर कमेंट करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। हम बता दें कि इस पर जाह्नवी कपूर, अथिया शेट्टी, मनीष मल्होत्रा जैसी कई जानी– मानी हस्तियों ने रिएक्शन दिया है। वर्क फ्रंट के बारें में बात तो कियारा आडवाणी जल्द ही मूवी जुग जुग जियो में दिखाई देने वाली है। इस मूवी में कियारा के हीरो वरुण धवन बने हैं। वरुण कियारा के साथ अनिल कपूर, नीतू कपूर और प्राजक्ता कोली भी हैं। ये मूवी 24 जून को रिलीज होने वाली है। सके अलावा कियारा आडवाणी, कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म भूल भुलैया 2 में दिखाई देने वाली है।

आदिपुरुष का बजट 450 करोड़ के पार, 20,000 स्क्रीन्स पर होगी प्रदर्शित, बनेगा नया रिकॉर्ड

एजेंसी

मुबई। तान्हाजी फेम निर्देशक ओम राऊत निर्देशित आदिपुरुष अपने अनुमानित बजट से 100 करोड़ ऊपर निकल गई है। सिने उद्योग के गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि इस फिल्म के निर्माता 450 करोड़ की लागत को एक ही सप्ताह में निकालने के लिए फिल्म को देश–विदेश की 20,000 स्क्रीन्स पर एक ही समय में प्रदर्शित करने की योजना बना रहे हैं। अपनी फिल्म की लागत निकालने के साथ–साथ उनकी निगाहें बाहुबली–द कन्क्लूजन के बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड को ध्वस्त करने पर है। गौरतलब है कि बाहुबली सीरीज के दूसरे भाग ने वैश्विक स्तर पर 2000 करोड़ से ज्यादा की कमाई करने में सफलता प्राप्त की थी। बताया जा रहा है कि आदिपुरुष के निर्माता इस रिकॉर्ड ध्वस्त करना चाहते हैं। बाहुबली के बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड को किसी भी अभिनेता की किसी फिल्म ने ध्वस्त करने में सफलता प्राप्त नहीं की है।

फिल्म आदिपुरुष में प्रभास के साथ अदाकारा कृति सेनॉन दिखाई देंगी। फिल्म आदिपुरुष की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसके पोस्ट प्रोडक्शन पर इन दिनों काम चल रहा है। फिल्म जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगी, जिसकी रिलीज के लिए मेकर्स ने अभी से प्लानिंग शुरू कर दी है। खबरें हैं कि प्रभास की आदिपुरुष को मेकर्स एक साथ 20 हजार स्क्रीन्स पर रिलीज करने की सोच रहे हैं। लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, प्रभास और कृति सेनॉन स्टारर फिल्म आदिपुरुष भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी मूवी है, जिसका बजट 450 करोड़ रुपये के पार निकल चुका है। इस फिल्म की रिकवरी के लिए मेकर्स ने खास प्लान बनाया है। मेकर्स आदिपुरुष को एक साथ 20 हजार स्क्रीन्स में रिलीज करेंगे, जो किसी भी भारतीय फिल्म को मिली सबसे बड़ी वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। फिल्म के मेकर्स ने आदिपुरुष को भारतीय भाषाओं के अलावा अंग्रेजी और चाइनीज लैंगुएज में भी रिलीज करने का प्लान बनाया है। इससे फिल्म आदिपुरुष को दुनियाभर के दर्शक एक साथ देख पाएंगे।फिल्म आदिपुरुष को लेकर मेकर्स जैसी प्लानिंग कर रहे हैं, उससे लग रहा है कि उनकी निगाहें बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड पर हैं, जिन्हें वो तोडना चाहते हैं। फिल्म बाहुबली– द कन्क्लूजन ने सिनेमाघरों में जमकर कमाई की थी। इसके बाद को भी भारतीय फिल्म इसकी कमाई को पार नहीं कर पायी है। आदिपुरुष के मेकर्स बाहुबली 2 के सारे रिकॉर्ड तोडने की प्लानिंग कर रहे हैं।

सूचना

मेरा हाई स्कूल अनुक्रमांक नं 2100 385 वर्ष 2006 वास्तव में कहीं खो गया है।

रघुनाथ पासवान
पुत्र पीताम्बर प्रसाद
ग्राम भरमी पोस्ट बघेली
जिला सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः- राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एंव सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com